राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,१४ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३१५ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर खुदाई में खजाने के साथ अशरफियां मिलने की अफवाह, मिले 150 से ज्यादा प्राचीन सिक्के और मूर्तियां

मऊ। यूपी के मऊ जिले के मुहम्मदाबाद गोहना के माहपुर में सुबह ग्रामीणों के हाथ कुछ प्राचीन मुद्राएं व मूर्तियां लगीं। देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जुट गई। जानकारी मिलते ही मौके पर डीएम अमित सिंह बंसल पहुंचे। उन्होंने डेढ़ सौ से अधिक तांबे के सिक्के और मूर्तियों को जब्त कराया। पुरातात्विक जानकारों की मानें तो ये सिक्के और मूर्तियां कुषाणकालीन हो सकते हैं। फिलहाल बरामद धातुओं को लखनऊ परीक्षण के लिए भेजा जाएगा। गांव में अफवाह फैल गई कि अशरफियां मिली हैं। माहपुर ग्रामसभा से कुछ किलोमीटर की दूरी पर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के लिए सिक्सलेन का निर्माण हो रहा है। इसके लिए गढ़वाकोट भीटे पर मिट्टी की खुदाई कर सिक्सलेन में डाला जा रहा है। शुक्रवार की रात दस बजे भी मजदूर लगे थे। रविवार सुबह जब ग्रामीण खुदाई स्थल पर गए तो वहां कुछ मुद्राएं व मूर्तियां पड़ी मिलीं। इसकी जानकारी होते ही ग्रामीणों में इसे पाने की होड़ लग गई। थोड़ी देर बाद जब जेसीबी मौके पर खुदाई के लिए पहुंची तो ग्रामीणों ने इसे रोक दिया। उनका आरोप था कि रात मे हुई खुदाई के दौरान मिली मुद्राएं वे लोग उठा ले गए हैं। हंगामे की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल, एसडीएम और सीओ मुहम्मदाबाद गोहना भी मौके पर पहुंच गए। अफसरों ने ग्रामीणों से डेढ़ सौ से अधिक मुद्राएं व मूर्तियों को जब्त कराया। डीएम ने इसे पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग लखनऊ भेजने का निर्देश दिया। वहीं मौके पर हो रही खुदाई को तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया गया। फिलहाल अभी और सिक्के और मूतियों के मिलने की संभावना है। इस संबंध में वाराणसी के क्षेत्रीय पुरातात्विक अधिकारी डॉ. सुभाष यादव ने बताया कि प्रथम दृष्टया इन सिक्कों के कुषाण कालीन होने की संभावना है। फिलहाल जांच के बाद ही स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी।

14 दिसंबर के आंदोलन को सफल बनाने की रणनीति में जुटे किसान नेता, रेल-ट्रांसपोर्ट यूनियन से जुटा रहे समर्थन

नई दिल्ली। तीन कृषि कानूनों के विरोध में आगामी 14 दिसंबर को देशभर में जिला मुख्यालय में धरना-प्रदर्शन और मंत्रियों, सांसदों, विधायकों के घेराव के लिए किसान संगठनों ने रणनीति बनानी शुरू कर दी है। दिल्ली के सिंघु बार्डर पर डटे किसान नेता शनिवार सुबह से ही ट्रेड-बैक यूनियन, रेल-ट्रांसपोर्ट यूनियन, पेंट्रोल पंप संगठन आदि के पदाधिकारियों से समर्थन जुटाने के लिए निकल गए।

इसके अलावा किसान नेताओं के अह्वान पर पंजाब से बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्राली, बस, स्कूटर, मोटरसाइकिल व कारों पर सवार होकर दिल्ली के लिए निकल पड़े हैं। लंबी लड़ाई के लिए किसानों ने उक्त वाहनों में महीनों का राशन भर लिया है।

क्रांतिकारी किसान यूनियन सहित विभिन्न भारतीय किसान यूनियन के शीर्ष स्तर के नेता सुबह से ही दिल्ली के विभिन्न यूनियन-फेडरेशन के पदाधिकारियों से मिलने निकल गए थे। इसमें प्रमुख रूप से देश की सबसे बड़ी

रेलवे की एआईआरएफ-एनएफआईआर के पदाधिकारियों से किसान नेताओं ने मुलाकात कर आंदोलन में समर्थन देने पर चर्चा की।

इसी प्रकार सड़क परिवहन क्षेत्र की सबसे बड़ी यूनियन ऑल इंडिया मोटरट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) 14 दिसंबर के आंदोलन के लिए सहयोग मांगा गया। दूसरी ओर 32 किसान संगठनों के नेताओं ने किसानों से दिल्ली बार्डर कूच करने का आह्वान किया है।

नेताओं के कहने पर किसान अपने घरों से दिल्ली की ओर निकल पड़े हैं। वाहनों में फसल काटने वाली भीमकाय कंबाइन तक शामिल हैं। सभी वाहनों में किसान सवार हैं और साथ में छह महीने का राशन भरा हुआ है। इसके अलावा स्कूटर, मोटरसाइकिल, मंहगी लक्जरी कारों-जीपों पर भी सवार होकर पंजाब से लोग आ रहे हैं।

भाकियू नेता बलबीर सिंह राजेवाल (पंजाब) व गुरुनाम सिंह चढ़ूनी (हरियाणा) ने 'हिन्दुस्तान' को बताया कि पंजाब, हरियाणा के अलावा

इसके अलावा किसान नेताओं के अह्वान पर पंजाब से बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्राली, बस, स्कूटर, मोटरसाइकिल व कारों पर सवार होकर दिल्ली के लिए निकल पड़े हैं।

राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तेलंगाना आदि राज्यों बड़ी संख्या में किसान दिल्ली पहुंच रहे हैं। अकेले पंजाब से आज 700 से अधिक ट्रैक्टर चले हैं। जबकि हरियाण से 500 ट्रैक्टर दिल्ली पहुंच रहे हैं। सरकार जब तक तीनों कानूनों को रद्द नहीं करेगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। 14 दिसंबर के बाद संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक कर आंदोलन को और अधिक आक्रामक बनाया जाएगा। इसके तहत 19 दिसंबर से अमरण अनशन तक शामिल है

सिद्धू का केंद्र पर हमला, वादा था आय डबल करने का, पकड़ा दिया 500 का लालीपॉप

नई दिल्ली। किसान आंदोलन का आज 18वां दिन है. किसान जहां तहां डटे हुए हैं, और अपने आंदोलन को तेज करने का ऐलान कर रहे हैं. आज राजस्थान के किसानों ने भी आंदोलन में शामिल होने का ऐलान किया है. किसानों ने कहा है कि वो जयपुर दिल्ली हाईवे आज ब्लॉक करेंगे, इसके साथ ही 14 दिसंबर को किसानों ने भूख हड़ताल करने की भी धमकी दी है. इस बीच आम लोगों के लिए राहत भरी खबर ये है कि कृषि कानूनों के विरोध में किसानों के प्रदर्शन के चलते 12 दिन से बंद पड़े दिल्ली-नोएडा चिल्ला बॉर्डर को अब खोल दिया गया है. शनिवार को किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की, इसके बाद बॉर्डर खोलने पर सहमति बनीं.

कोरोना के टीकाकरण के बीच अमीर देशों में फिर पाबंदियों की तैयारी

नई दिल्ली। ब्रिटेन, रूस जैसे देशों ने कोरोना की वैक्सीन को आपात मंजूरी देकर टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया है। लेकिन टीका मिलते ही लोगों ने कोविड नियमों को गंभीरता से लेना कम कर दिया है। अधिकांश शहरों में क्रिसमस और नए साल के चलते जहां बाजारों में भारी भीड़ है वहीं सामाजिक दूरी का पालन न के बराबर है। इन्हीं लापरवाहियों का नतीजा है कि इन अमीर देशों में सरकारें फिर से पाबंदियां लगाने को मजबूर हो गई हैं। डब्ल्यूएचओ ने हाल ही में तमाम देशों से संक्रमण को रोकने के लिए सख्त उपाय करने को कहा है। संगठन के प्रमुख टेड्रोस गेब्रयेसस ने कहा- अगर क्रिसमस के दौरान हमने लापरवाही बरती तो हम मुश्किल में पड़ सकते हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए यह जरूरी है कि उत्सवी दिनों में हम बेहद सावधान रहें।

ब्रिटेन में टियर-3 की सख्त पाबंदी लगाने की तैयारी

- ब्रिटेन में टीकाकरण के बावजूद संक्रमण के रोजाना औसतन 21 हजार मामले सामने आ रहे हैं
- यहां 10 दिन पहले संक्रमण के रोज 16 से 17 हजार नए केस मिल रहे थे
- पिछले एक सप्ताह में इन मामलों में 33 फीसदी का उछाल आया है
- क्रिसमस के कारण लंदन समेत अन्य प्रमुख शहरों में लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं
- लंदन, ग्लास्गो, बेलफेस्ट जैसे शहरों में लोग देररात तक खरीदारी करते देखे जा सकते हैं
- जॉनसन सरकार अगले सप्ताह से टियर-3 के सख्त नियम लागू करने की तैयारी कर रही है
- इसके तहत भीड़ जुटाने पर पाबंदी रहेगी। रेस्तरां-बार, स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए जाएंगे
- विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि लोगों को क्रिसमस पर भीड़ जुटाने से बचना चाहिए

रूस के कई शहरों में आंशिक लॉकडाउन

- महामारी की दूसरी लहर में रोजाना के नए मामलों की संख्या दस हजार के करीब पहुंच गई है
- इस बड़े उछाल के चलते संक्रमित लोगों का आंकड़ा 12 लाख के पार जबकि मृतक संख्या 22 हजार से अधिक
- कोरोना रिस्पांस सेंटर के अनुसार, राजधानी मॉस्को फिर महामारी का केंद्र बनता जा रहा है

केरल में मुफ्त टीका, हरियाणा में जनप्रतिनिधियों को प्राथमिकता देने की मांग...

नई दिल्ली। एक तरफ कोरोना के रोजाना सामने आने वाले नए मामलों ने राहत दी है वहीं, देश के कई राज्यों में टीकाकरण को लेकर तैयारी भी शुरू कर दी गई है। भले ही अभी भारत में किसी भी फार्मा कंपनी के वैक्सीन को इस्तेमाल की मंजूरी नहीं मिली हो, लेकिन केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को इसके लिए जरूरी तैयारी पूरी कर लेने के लिए कहा है। बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल सहित कई राज्यों में तैयारी अंतिम चरण में है। वैक्सीन के भंडारण की तैयारी से लेकर टीकाकरण के लिए प्राथमिकता तक तय की जा रही है। वहीं, केरल के मुख्यमंत्री ने राज्य में मुफ्त टीकाकरण की घोषणा की है। आइए जानते हैं वैक्सीन को लेकर किन राज्यों की क्या तैयारियां हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा है कि पहले चरण में बिहार में 6 से 7 लाख की संख्या में वैक्सीन आने वाली है। इसके भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था राज्य में है। दूसरे चरण में एक करोड़ वैक्सीन आएगी, उसके लिए बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति ने केन्द्र सरकार से दो वॉकिंग फ्रिज, दो वॉकिंग कूलर तथा 900 डीप फ्रीजर/ आईएलआर की मांग की है। केन्द्र सरकार मांग पूरी करने के लिए व्यवस्था कर

रही है। व्यवस्था होने पर दूसरे चरण में आने वाली एक करोड़ वैक्सीन के संग्रहण के लिए बिहार में कोल्ड चेन तैयार रहेगा। कोरोना वैक्सीन को स्टोर करने के लिए सभी जिलों में व्यवस्था की जा रही है।

चौबे ने कहा कि सबसे पहले स्वास्थ्यकर्मियों को और कोरोना वारियर्स को वैक्सीन दी जाएगी। डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्य से जुड़े अन्य कर्मचारी इसमें शामिल होंगे। इसके बाद फ्रंटलाइन वर्कर्स यानि पुलिस, सेना और अर्धसैनिक बल से जुड़े लोगों को वैक्सीन दी जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोरोना वैक्सीनेशन के लिए जल्द ही वैक्सीनेटर्स तैयार कराए जाएं। इसके लिए मुख्य सचिव के नेतृत्व में स्वास्थ्य व गृह विभाग की बैठक की जाए। मुख्यमंत्री शनिवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में कोरोना वैक्सीन के लिए सुरक्षित कोल्ड चेन की स्थापना के लिए समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डीएम को अपने-अपने जिलों में कोरोना वैक्सीन की प्रभावी कोल्ड चेन की स्थापना व इसकी सुरक्षा के लिए सीएमओ, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक के साथ बैठक कर समीक्षा करें। उन्होंने कोरोना वैक्सीनेशन से संबंधित सभी तैयारियां 15 दिसंबर तक पूरी कर लेने के आदेश भी दिए।

तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार को कोविड-19 का टीका मतदाता सूची के आधार पर नहीं देने की योजना नहीं बनानी चाहिए।

फेसबुक और यू-ट्यूब पर अब ज्यादा भारतीय छिपाने लगे असली पहचान

नई दिल्ली। इंटरनेट मीडिया पर अब ज्यादा भारतीय अपनी असली पहचान छिपाने लगे हैं। असली नाम, फोटो तथा व्यक्तिगत पहचान सूचना (पीआइआइ) न सिर्फ अभिव्यक्ति की आजादी के लिए छिपा रहे हैं, बल्कि दुर्भावनापूर्ण और नुकसानदेह गतिविधियों में भी शामिल होने के लिए ऐसा कर रहे हैं। एक वैश्विक साइबर सिक्युरिटी कंपनी कासपर्सकी की रविवार को आई एक नई रिपोर्ट में इस बाबत आगाह करते हुए कहा गया है कि फेसबुक पर 76 फीसद, यू-

ट्यूब पर 60 फीसद, इंस्टाग्राम पर 47 फीसद तथा ट्विटर पर 28 फीसद भारतीय अपनी पहचान छिपाना चाहते हैं। यह रिपोर्ट काफी हैरान करने वाली है।

संसद हमले की 19वीं बरसी, लोकतंत्र के मंदिर के लिए वो काला दिन जब बाल- बाल बचे थे लालकृष्ण आडवाणी और 200 सांसद

नई दिल्ली। संसद भवन पर हुए खतरनाक आतंकी हमले की 19वीं बरसी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजली दी है। पीएम मोदी ने ट्वीट किया- हम 2001 में इस दिन अपनी संसद पर कायरतापूर्ण हमले को कभी नहीं भूलेंगे। हम उन लोगों की वीरता और बलिदान को याद करते हैं जिन्होंने अपनी संसद की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवाई। भारत हमेशा उनका शुक्रगुजार रहेगा।

13 दिसंबर 2001 का वो काला दिन-आतंकियों ने संसद पर हमला कर पूरे देश को सकते में डाल दिया था। 13 दिसंबर 2001 की दोपहर भारतीय संसद भवन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में जैश-ए- मोहम्मद के 5 आतंकियों ने नयी दिल्ली स्थित लोकतंत्र के मंदिर को निशाना बनाया। ये हमला तब हुआ जब संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा था और तमाम विपक्षी सांसदों के हंगामे की वजह से दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी थी, उसी दौरान पूरा देश अचानक से थर्रा उठा था। दरअसल, जैश-ए-मोहम्मद के पांच आतंकवादी पूरी तैयारी के साथ संसद भवन में घुस गए और संसद परिसर में अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं । इस हमले में 9 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे जबकि पांचों आतंकवादी भी मारे गए। हमले को लेकर तत्कालीन बाजपेयी सरकार की खूब आलोचना भी हुई थी।

परिसर में मौजूद थे लालकृष्ण आडवाणी और 200 सांसद-हमले को अंजाम तब दिया गया जब संसद के दोनों सदन 40 मिनट के लिए स्थगित हुए थे। यही कारण था कि प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और विपक्ष की नेता सोनिया गांधी अपने अपने आवास पर चले गए थे। लेकिन, तत्कालीन गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी करीब 200 संसद सदस्यों के साथ संसद परिसर में ही मौजूद थे। इसी दौरान संसद परिसर में घुसकर आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

संसद परिसर में कैसे घुसे आतंकी?

आतंकवादियों को गृह मंत्रालय और संसद के लेबल वाले स्टीकर गाड़ी पर लगे होने के कारण सबसे अधिक सुरक्षा वाली जगह पर सबसे आसानी से प्रवेश मिल गया और किसी को शक भी नहीं हुआ। गाड़ी का नंबर था DL-x CJ 1527। सुरक्षाकर्मियों को धोखा देने में कामयाब रहे, लेकिन उनके कदम लोकतंत्र के मंदिर को अपवित्र कर पाते उससे पहले ही सुरक्षा बलों ने उन्हें ढेर कर दिया।

एक-एक कर ढेर हुए आतंकी-हमले का अलार्म बजते ही सुरक्षाकर्मी आतंकवादियों से मुकाबला करने लगे। एक आतंकवादी ने गोली लगते ही खुद को उड़ा दिया। अन्य आतंकवादी बीच-बीच में हथगोला भी फेंक रहे थे। सुरक्षाकर्मियों ने आतंकवादियों को चारों तरफ से घेर लिया और आखिरकार एक-एक कर सभी को ढेर कर दिया। इस आतंकवादी हमले में दिल्ली पुलिस के 5 जवानों के अलावा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक महिला और संसद सुरक्षा के दो सुरक्षा सहायक आतंकियों से बहादुरी से लड़ते हुए शहीद हो गए। मुठभेड़ में एक माली की भी मौत हो गई थी।

पहाड़ों में हुई बर्फबारी, दिल्ली में कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली। हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी जारी है। दिल्ली के लिए मौसम विभाग घने कोहरे की आशंका को देखेते हुए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया। मध्य प्रदेश और यूपी जैसे मैदानी इलाकों में हल्की बारिश से ठंड बढ़ गई है।

राजधानी दिल्ली में 15 दिसंबर को घना कोहरा देखने को मिलेगा

मौसम विभाग ने दिल्ली में 13 और 14 दिसंबर के लिए कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके बाद भी 15 दिसंबर को घना कोहरा देखने को मिलेगा। 15 दिसंबर को येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस बीच तापमान में भी तेजी से गिरावट आएगी। अधिकतम तापमान अब 23 से 24 डिग्री के आसपास ही बना रहेगा। वहीं, न्यूनतम तापमान भी आने वाले दिनों में 8 से 10 डिग्री के बीच बना रहेगा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कुछ हिस्सों में शनिवार को हल्की बारिश हुई, जिससे अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री नीचे चला गया। हालांकि, बादल छाए रहने के कारण न्यूनतम तापमान में वृद्धि देखी गई और यह सामान्य से छह डिग्री ज्यादा 14.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

यूपी में कई इलाको में घना कोहरा

उत्तर प्रदेश में शनिवार को कई हिस्सो में हल्की बारिश दर्ज की गई। साथ ही कई जगहों पर हल्का और कहीं

घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई। राजधानी लखनऊ में न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस और इलाहाबाद में 16.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश में सबसे कम तापमान बांदा में नौ डिग्री सेल्सियस और कानपुर में 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राजस्थान में कई क्षेत्रों में बूंदाबांदी

पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते पिछले 24 घंटे में राजस्थान के अनेक इलाकों में हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने आगामी दो दिन अनेक जिलों में कोहरा छाये रहने का अनुमान व?यक?त किया है। मौसम केंद्र जयपुर ने शनिवार को कहा कि बीते 24 घंटे में राज?य में कई स्थानों पर हल्की बारिश हुई है। बांसवाड़ा, कोटा, सीकर, झुंझुनू, गंगानगर, हनुमानगढ़ व जोधपुर में अनेक जगह पर बूंदाबांदी दर्ज की गई।

हिमाचल प्रदेश में ताजा बर्फबारी से शीत लहर की स्थिति

हिमाचल प्रदेश में हुई ताजा बर्फबारी के बाद राज्य में भी शीत लहर की स्थिति बन रही है। कोठी और गोंडला में 30-30 सेंटीमीटर बर्फबारी हुई, इसके बाद केलोंग में 12 सेंटीमीटर, मनाली में 12 सेंटीमीटर, कल्पा में 7.5 और डलहौजी में चार सेंटीमीटर बर्फबारी हुई।

उत्तराखंड में बर्फबारी और बारिश के कारण ठंड बढ़ गई

उत्तराखंड में शनिवार को ऊंचाई पर स्थित टिहरी और चमोली जिले में ताजा बर्फबारी हुई और निचले क्षेत्रों में बारिश हुई जिससे राज्य में ठंड बढ़ गई। मौसम विभाग ने कहा कि जिले में बर्फबारी और बारिश के कारण ठंड बढ़ गई तथा न्यू टिहरी में न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश-अरब सागर में बनी चक्रवाती स्थिति के कारण मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश हुई। राज्य के पश्चिमी भागों में हालांकि बृहस्पतिवार दोपहर से हल्की बारिश हो रही है, जबकि पूर्वी भागों में भी बूंदाबांदी हो रही है।

कश्मीर घाटी में बर्फबारी के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग समेत अन्य सड़कें बंद

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और कश्मीर घाटी के ऊंचाई वाले स्थानों पर बर्फबारी हुई, जबकि पश्चिम विक्षोभ की वजह से उत्तरी क्षेत्र के मैदानी इलाकों में बारिश हुई। कश्मीर घाटी में बर्फबारी के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग समेत अन्य सड़कों को बंद करना पड़ा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

किसानों के हितों की रक्षा

औद्योगिक संगठन फिक्की की सालाना आम बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए कृषि कानूनों से होने वाले फायदों को रेखांकित कर एक बार फिर किसानों तक अपनी बात पहुंचाने की कोशिश की। इस क्रम में उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो भी सुधार किए गए हैं उनका उद्देश्य किसानों के हितों की रक्षा करना ही है और कृषि में नई तकनीक तथा निवेश की राह खोलना आवश्यक है। उचित यह होगा कि आंदोलनरत किसान संगठन अपने अड़ियल रवैये का परित्याग करें और उन मसलों पर केंद्र सरकार के साथ वार्ता करें जिन्हें लेकर उनके मन में शंकाएं हैं। आखिर जब सरकार कृषि कानूनों पर किसान संगठनों की आपत्तियों को सुनने, उनमें यथोचित संशोधन करने और न्यूनतम समर्थन मूल्य आदि पर लिखित आश्वासन देने के लिए तैयार है तब इस तरह की जिद का कोई मतलब नहीं कि तीनों नए कृषि कानून वापस किए जाएं। ऐसी मांग जोर जबरदस्ती के अलावा और कुछ नहीं। कोई भी सरकार ऐसी बेजा मांग नहीं मान सकती। चंद किसान संगठनों की मांग पर पूरे देश के किसानों पर असर डालने वाले कृषि कानूनों को रद करने का कोई मतलब नहीं। तथ्य यह भी है कि कृषि और आर्थिक मामलों के अनेक विशेषज्ञों ने न केवल नए कृषि कानूनों का समर्थन किया है, बल्कि उन्हें एक और हरित क्रांति का माध्यम माना है। कृषि कानूनों की वापसी की मांग इसलिए भी हरगिज नहीं मानी जानी चाहिए, क्योंकि देश में शासन चलाने और कानून बनाने की जिम्मेदारी किसान संगठनों को नहीं सौंपी गई है। यह काम तो सरकार का है। मुट्ठी भर किसान संगठन वह नहीं कर सकते जिसे करने का अधिकार संसद और सरकार को है। सभी कृषि उत्पादों और यहां तक कि दूध पर भी समर्थन मूल्य की मनमानी मांगों से किसानों के आंदोलन का केवल मजाक ही नहीं बन रहा, बल्कि यह भी प्रकट हो रहा कि ऐसी मांग करने वाले किसान नेता किसान हितों को लेकर तनिक भी गंभीर नहीं। इतना ही नहीं, नक्सलियों और दिल्ली दंगों के आरोपितों के प्रति सहानुभूति जताने और उनकी रिहाई की मांगों से भी यही पता चल रहा है कि दिल्ली आ धमके किसान संगठन किसान हितों की फर्जी आड़ लेकर मनमानी ही कर रहे हैं। उनके ऐसे ही रवैये के कारण यह अंदेशा गहरा रहा है कि वे नक्सलियों और अन्य अतिवादी तत्वों के मोहरे बन गए हैं। किसी के लिए भी समझना कठिन है कि किसानों को देश के लिए खतरा बने तत्वों के प्रति क्यों सहानुभूति उभर आई है? बेहतर हो कि जिद पर अड़े किसान संगठन यह समझें कि अपने मनमाने रवैये के कारण वे लोगों का समर्थन हासिल नहीं कर सकते।

आज के ट्वीट

वादा

ना पूछो कि मेरी मंजिल कहाँ है अभी तो सफर का इरादा किया है ना हारूंगा हौंसला उम्र भर ये मैंने किसी से नहीं खुद से वादा किया है ।

-- बजरंग पुनीया

विपक्ष के चक्रव्यूह में फंसे इमरान

सुरेश हिन्दुस्थानी

कोरोना महामारी के बीच पाकिस्तान में जिस प्रकार से राजनीतिक अस्थिरता के हालात बन रहे हैं, वह निश्चित रूप से पाकिस्तानी सरकार के प्रधानमंत्री इमरान खान के समक्ष बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। भयानक त्रासदी के दौर में गुजर रहे पाकिस्तान के सामने उत्पन्न हुई इस राजनीतिक पेचीदगी के कारण ऐसा लगने लगा है कि क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने इमरान खान पाकिस्तानी चक्रव्यूह में फंसते जा रहे हैं। वर्तमान में इमरान खान के समक्ष ऐसे हालात निर्मित हो गए हैं, जिसमें एक तरफ कुआ तो दूसरी तरफ खाई है। अगर इमरान प्रधानमंत्री पद पर बने रहते हैं तो पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति और बिगड़ती जाएगी, लेकिन यह इमरान सरकार के कारण नहीं है। इमरान खान के साथ यह संयोग जुड़ गया है कि वे इस समय प्रधानमंत्री हैं। पाकिस्तान की इन खराब होती स्थितियों के बीच सबसे बड़ा कारण यही माना जा रहा है कि पाकिस्तान की सरकार उन अति वांछित वैश्विक आतंकी आकाओं के विरोध में वैसे कदम उठाने से परहेज कर रही है, जिनके खिलाफ विश्व के बड़े देशों की ओर से मांग की जा रही है। उल्लेखनीय है कि हाफिज सईद और दाऊद इब्राहिम पाकिस्तान की शरण में है, और इमरान की सरकार इनके विरोध में किसी भी प्रकार की कठोर कार्यवाही करने का साहस नहीं जुटा पा रही है। वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान का मौजूदा राजनीतिक संकट उसकी खुद की देन है, जिसमें वह लगातार फसता जा रहा है। इसके साथ ही इमरान सरकार की विवशता यह है कि उनकी पार्टी तहरीक ए इंसाफ को सत्ता तक पहुंचाने में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से इन आतंकी आकाओं का समर्थन मिला। पाकिस्तान में इमरान और आतंकियों की यह कथित जुगलबंदी ही सरकार के सामने कठिन परिस्थितियों का निर्माण कर रही है। पाकिस्तान की ओर से कितनी भी सफाई दी जाए, लेकिन यह कई बार प्रमाणित हो चुका है कि उसके देश से आतंकी गतिविधियों का संचालन किया जाता है। इतना ही नहीं विश्व के कई देशों में आतंक फैलाने के लिए पाकिस्तान की ओर से आर्थिक सहायता भी की जाती है। इसी के चलते एफएटीएफ ने पाकिस्तान को अभी ग्रे सूची में डाल रखा है, लेकिन भविष्य में पाकिस्तान के ऊपर काली सूची में आने का गंभीर खतरा भी मंडरा रहा है। एफएटीएफ एक वैश्विक संस्था है, जो आतंक के लिए आर्थिक सहयोग किए जाने वाली संस्थाओं की निगरानी करती है। इस संस्था ने आतंकियों की फंडिंग पर कार्रवाई करने की पाकिस्तान सरकार को चेतावनी दी है। आज पाकिस्तान के आर्थिक हालात सबसे खराब हैं। इसके पीछे का बड़ा कारण यही माना जा रहा है कि पाकिस्तान दूसरे देशों से ऋण लेकर अपनी आर्थिक व्यवस्था सुधारने का प्रयास करता रहा है, लेकिन आतंकी फंडिंग के चलते उसके ग्रे सूची में आने के कारण कई बड़े देशों ने पाकिस्तान को उधार देने से मना कर दिया और अगर पाकिस्तान काली सूची में आता है तो अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार उसे कोई भी देश ऋण नहीं देगा। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान की दशा और ज्यादा बिगड़ती जाएगी। पाकिस्तान की राजनीति के बारे में यह आम धारणा बन चुकी है कि वहां के शासक भ्रष्टाचार के चलते बहुत धन एकत्रित करने का प्रयास करते हैं। इमरान सरकार भी इस आरोप से अछूती नहीं है। पाकिस्तान का विपक्ष भी यही कह रहा है कि प्रधानमंत्री इमरान खान ने आम जनता को गरीबी की खाई में धकेल दिया है। जनता के को अपना घर चलाने के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान की वास्तविकता भी यही है कि वहां या तो राजनेता ऐशोआराम का जीवन व्यतीत कर रहा है या फिर जनता को भ्रमित करने वाले आतंकी पैसा बटोरने में लगे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि पाकिस्तान के राजनीतिक दल और आतंकी सरगना भय दिखाकर आम जनता से संप्रदाय के नाम पर धन एकत्रित कर रहे हैं। जिसके चलते आम जनता और ज्यादा गरीब होती जा रही है और पैसे वाले और ज्यादा अमीर हो रहे हैं। आज पाकिस्तान में अमीर और गरीब की खाई इतनी चौड़ी हो गई है कि उसके भरने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता। पाकिस्तान के बिगड़ते आर्थिक हालातों के बीच वहां का राजनीतिक विपक्ष आक्रामक मुद्रा में आ चुका है। हम जानते हैं कि लगभग तीन माह पूर्व जनता की नब्ज को पहचान चुके चर्चित राजनेता फजलुर्रहमान ने पाकिस्तान के कई शहरों में इमरान सरकार के विरोध में बड़ा अभियान चलाकर राजनेताओं की नींद खराब कर दी थी। फजलुर्रहमान अभी भी सरकार के खिलाफ हमलावर हैं। इसके अलावा मुस्लिम लीग नवाज और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी भी सरकार के विरोध में खुलकर मैदान में आ चुकी हैं। हालांकि यह लड़ाई आम जनता के लिए कम केवल सत्ता प्राप्त करने की ज्यादा लगती है। लेकिन इतना तो कहा ही जा सकता है इन सभी ने पाकिस्तान में इमरान खान के विरोध में वातावरण निर्मित कर दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के विरोध में विपक्ष द्वारा ऐसे चक्रव्यूह का ताना बाना बुना है कि वे उससे जितना बाहर निकलने का प्रयास करते हैं, उतना ही फसते चले जा रहे हैं। आज पाकिस्तान में इसी कारण राजनीतिक अस्थिरता का वातावरण बन चुका है। विपक्ष के झांसे में आकर प्रधानमंत्री इमरान खान जनता की कसौटी पर अविश्वसनीय होते जा रहे हैं। बदली हुई परिस्थितियों में पाकिस्तान का विपक्ष जोरशोर से नए चुनाव कराने की मांग कर रहा है। इसके लिए सांसद और विधायकों के सामूहिक त्याग पत्र देने की भी कवायद हो रही है। अगर ऐसा होता है तो सरकार को न चाहते हुए भी चुनावों का सामना करना पड़ सकता है। जो प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए यकीनन टेडी खीर ही होगी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के समक्ष एक बड़ी दुविधा यह भी है कि उनकी पार्टी के पास सरकार चलाने के लिए पूर्ण बहुमत नहीं है। वह कुछ अन्य दलों के समर्थन से सरकार चला रहे हैं। जिसमें कुछ दल ऐसे भी हैं जो आतंकी संगठनों का समर्थन करते हैं। लेकिन इमरान इनके विरोध में कोई कठोर कदम नहीं उठा सकते। जिसके पीछे सत्ता को बचाए रखना भी कारण है, लेकिन विपक्ष ने भंवरजाल फैला दिया है। अब देखना यही होगा कि इमरान खान इसमें फसते हैं या फिर बाहर निकलते हैं।

(लेखक राजनीतिक चिंतक और विचारक हैं)

ज्ञान गंगा

खुशहाली

जग्गी वासुदेव

दुनिया में हमें केवल संपत्ति नहीं बनानी है, बल्कि खुशहाली बनानी है। धन-दौलत मनुष्य की खुशहाली के कई साधनों में केवल एक साधन है, लेकिन मात्र यही सब कुछ नहीं है। संपत्ति का मतलब अपने लिए बाहर की स्थिति को सुखद बनाना है। पर अभी तो लोग इसके पीछे ऐसे पड़े हैं जैसे कि ये कोई धर्म हो। पैसा बस एक साधन है; ये अपने आप में मंजिल नहीं है। हम बिना किसी कारण के इसे बहुत बड़ा बना रहे हैं। क्या ये खराब है? क्या ये अच्छा है? इन दोनों में से ये कुछ भी नहीं है। ये बस एक साधन है जो हमने बनाया है। हमें यह समझना चाहिए कि कोई भी पैसा नहीं चाहता है। ये थोड़ा बेतुका लग सकता है पर मैं कह रहा हूं कि वो पैसा नहीं है जिसे लोग चाहते हैं। बात बस ये है कि जिसे वो बेहतर जीवन समझते हैं, उसे पाने के लिए पैसा ही एक साधन है। सभी चाहते हैं कि उनका जीवन सुखद रहे। जब हम सुखद रहने की बात करते हैं तो ये 5 तरीकों से हो सकता है। अगर आपका शरीर सुखद अवस्था में है, तो हम इसे सुख कहते हैं। जब आपका मन सुखद हो जाता है तो हम इसे शांति कहते हैं और अगर ये बहुत ज्यादा सुखद हो जाए तो हम इसे हर्ष कहते हैं। अगर आपकी भावनाएं सुखद होती हैं तो हम इसे प्रेम कहते हैं और अगर ये बहुत ज्यादा सुखद हो जाती हैं तो हम इसे करु णा कहते हैं। जब आपकी जीवन-ऊर्जाएं सुखद हो जाती हैं तो हम इसे आनंद कहते हैं और अगर ये बहुत ज्यादा सुखद हो जाएं तो हम इसे परमानंद कहते हैं। अगर आपके आसपास सब सुखद हो तो हम इसे सफलता कहते हैं। आपको यही सब चाहिए, है कि नहीं? 'नहीं, मैं स्वर्ग जाना चाहता हूं'। पर, आप स्वर्ग क्यों जाना चाहते हैं? क्योंकि सभी विज्ञापन यही कहते हैं कि वो बहुत सुखद जगह है। तो आपको बस सुखद अवस्था चाहिए, खुशी चाहिए और अभी आपका यही विश्वास है कि इस दुनिया में, पैसे से आप इसे खरीद सकते हैं। और कुछ हद तक ये सही भी है। पर, पैसा सिर्फ बाहरी अवस्था को सुखद बना सकता है, ये आपके अंदर की अवस्था को सुखद नहीं बना सकता। अगर आपके पास बहुत पैसा है तो आप एक पांच सितारा होटल में रह सकते हैं पर अगर आपका शरीर या मन, आपकी भावनाएं या ऊर्जाएं सुखद नहीं हैं, तो क्या आप उस पांच सितारा होटल का आनंद ले पाएंगे? नहीं!

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

गमजदा घरों में खुशियां बिखेरने की मुहिम

कार्सन जिकग्राफ , युवा कारोबारी समाजसेवी

साल 2016 की बात है। पेशे से इलेक्ट्रिशियन कार्सन जिकग्राफ ट्रेजर वैली इलाके के अपने एक ग्राहक के बुलावे पर उसके घर पहुंचे थे। उस पूरे इलाके में रौनक फैली थी और यह स्वाभाविक भी था। अमेरिकी समाज में खुश होने के लिए क्रिसमस से बड़ा मौका भला और क्या हो सकता है? हर कोई इस मौके पर अपने घर को खूब सजाता है। ऐसे में, कार्सन जैसे पेशेवरों की व्यस्तता काफी बढ़ जाती है। बहरहाल, उन्होंने मकान मालिक को कुछ डिजाइन दिखाए और उनके चुने मॉडल पर काम शुरू कर दिया। इस काम में कार्सन की सिद्धहस्तता का आलम यह है कि जिसने भी उनसे एक बार अपना घर सजवाया, वह हमेशा के लिए उनका मुरीद हो गया। वह मकान मालिक भी अपने घर की सजावट देखकर अभिभूत हो गया था। शाम भी गहराने लगी थी, इससे रंग-बिरंगी लाइटों की खूबसूरती और निखरती जा रही थी। गरम कॉफी के साथ मकान मालिक से बातचीत के दौरान कार्सन की नजर सामने वाले घर पर पड़ी। उन्होंने पूछा- क्या इस घर के मालिक यहां नहीं रहते? जवाब ने बेचैन कर दिया। वह घर स्टीवर्ट और डेबी वाइल्डर का था। पिछले कई क्रिसमस से अंधेरे ने जैसे वहां अपना कब्जा जमा रखा था। दरअसल, स्टीवर्ट और डेबी के 17 साल के बेटे कैमरन ने कुछ ही साल पहले इन्हीं दिनों में खुदकुशी कर ली थी। इकलौते बेटे को खो देने के बाद इस दंपति की जिंदगी के सारे रंग उड़ गए थे। साल 2013 में सजावट की लाइटों को जो बक्से में डाला, तो उनको बाहर निकालने का कभी हौसला ही नहीं हुआ। हर क्रिसमस पर कैमरन के दोस्त जब अपने घर माता-पिता के पास उनका शुक्रिया अदा करने को लौटते, तब डेबी की तकलीफें और गहरी हो जातीं। पड़ोसी भी इस मौके पर उनका दर्द नहीं बांट पाते। कार्सन को इस बात ने बेहद आहत किया था। दरअसल, वह खुद इस पीड़ा को करीब से महसूस कर चुके थे। उनके दो जिगरी दोस्तों ने खुदकुशी कर ली थी, और उनके परिजनों को तड़पते देख वह अक्सर बेचैन हो उठते कि कैसे इनका गम दूर किया जाए! कॉफी खत्म कर कार्सन चुपचान घर लौट आए। वह 2016 क्रिसमस की भोर थी। स्टीवर्ट और डेबी आम दिनों की तरह ही उस रोज भी जगे थे। मगर खिड़की के शीशे के उस पार कुछ टिमटिमाता हुआ दिखा। डेबी ने घर का मुख्य दरवाजा खोला, तो बाहर का नजारा देख आंखें खुली रह गईं। उनका पूरा अहाता और घर की छत छोटे-छोटे सफेद बल्बों से रोशन हो गई थी। उन्होंने पति को आवाज लगाई। स्टीवर्ट बाहर आए, तो उस सर्द सुबह में उनके भीतर भी कुछ पिघल उठा था। पति-पत्नी एक-दूसरे का हाथ थामे देर तक घर को निहारते रहे- आखिर यह कौन उनके लिए खुशियां समेट लाया है? कार्सन तब तीस साल के थे। स्टीवर्ट व डेबी को काफी दिनों बाद पता चला कि उनके सांता क्लॉज कार्सन ही थे। उन्होंने उन्हें बाकायदा घर पर डिनर के लिए आमंत्रित किया और उनके प्रति अपना आभार व्यक्त किया। नौजवान कार्सन को इससे आत्मिक खुशी मिली। उसके बाद तो उन्होंने जैसे एक मिशन-सा बना लिया। वह 'नॉट वन मोर सुसाइड' संगठन के पास पहुंचे और उनके पास दर्ज ब्योरों से ऐसे परिवारों की एक सूची बनाई, जिनके किसी अपने ने खास तौर से त्योहार के आस-पास आत्महत्या की हो। कार्सन जिकग्राफ की 'सीजेड इंटरप्राइजेज एलएलसी' शहर में छोटे-मोटे आयोजनों में सजावट के काम करती है। लेकिन क्रिसमस के दौरान वह अक्सर इस सूची के शोकाकुल घरों को सजाने के लिए खुद ही जाते हैं। अमूमन हर घर के पास अपनी बत्तियां होती हैं और उनसे ही उसकी कलात्मक सजावट कार्सन की कंपनी करती है, लेकिन चूंकि दर्द में डूबे घरों से उन्हें न्योता नहीं आता, इसलिए वह अपनी कंपनी के बल्ब मुफ्त में ले जाते हैं और क्रू के सदस्यों को इसका पता भी नहीं चलने देते, ताकि गमजदा परिवारों की निजता बनी रहे। कुछ साल पहले ऐसे ही एक सूने, अंधेरे घर को वह सजा रहे थे, तब उन्हें एहसास नहीं था कि घर के अंदर कोई मौजूद भी है, लेकिन जैसे ही बत्तियां जगमगानी शुरू हुईं, अंदर से एक बुजुर्ग महिला दौड़ती हुई बाहर निकली। उसकी निगाह कार्सन और उनके साथियों पर जब पड़ी, तो वह उनमें से हर एक को गले लगाकर सुबक उठी, मानो वर्षों का दर्द अचानक पिघल आया था। यह एहसास कार्सन के कर्मचारियों के लिए अनूठा था। इसके बाद तो कई बार ऐसा हुआ, जब कर्मचारियों को किसी तरह पता लग गया कि वे जिस घर को अभी सजा रहे हैं, उसके किसी सदस्य ने खुदकुशी कर ली है, तो उन्होंने कार्सन से अपनी मजदूरी लेने से मना कर दिया। कार्सन ऐसे घरों को सजाने के पहले ऑनलाइन उनके सदस्यों की श्रद्धांजलियां पढ़ते हैं और उसी के आधार पर बल्ब के रंग तय करते हैं, ताकि उन्हें ज्यादा खुशी दे सकें। अब तक वह दर्जनों गमजदा घरों में क्रिसमस की खुशियां वापस लेकर आ चुके हैं। इलाके के लोग उन्हें सांता क्लॉज सरीखा प्यार करते हैं।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

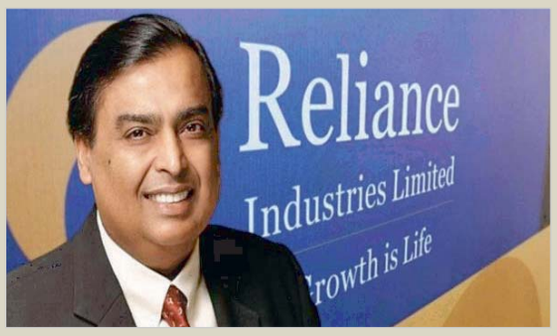

टॉप 10 कंपनियों में से 8 का मार्केट कैप 1.53 लाख करोड़ रुपए बढ़ा, HUL और RIL को सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली: सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 1,53,041.36 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) रहीं। बीतें सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,019.46 अंक या 2.26 प्रतिशत के लाभ में रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन घट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 43,596.02 करोड़ रुपए बढ़कर 5,57,714.17 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 37,434.4 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 12,71,438.23 रुपए रहा। टीसीएस के बाजार मूल्यांकन में 21,557.45 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 10,44,457.52 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कोटक महिंद्रा बैंक की बाजार हैसियत 14,798.9 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 3,80,247.43 करोड़ रुपए रही। सप्ताह के दौरान इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 12,096.98 करोड़ रुपए बढ़कर 4,95,401.04 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 9,031.76 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 3,55,529.51 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

इन कंपनियों का M-cap घटा

एचडीएफसी की बाजार हैसियत 8,988.46 करोड़ रुपए बढ़कर 4,13,181.19 करोड़ रुपए पर और भारती एयरटेल की 5,537.39 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 2,74,987.37 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस रुख के उलट बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में 1,919.24 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 2,91,839.07 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 1,624.45 करोड़ रुपए घटकर 7,61,122.91 करोड़ रुपए रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

सैलरी कटौती पर भड़के कर्मचारी, iPhone की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में की तोड़फोड़

बेंगलुरु: कर्नाटक में बेंगलुरु के करीब आईफोन का विनिर्माण करने वाली एक कंपनी के कर्मचारियों ने 'तनख्वाह' से संबंधित मसले को लेकर शनिवार को इकाई में उपद्रव मचाया। ये कर्मचारी विस्ट्रॉन कॉर्पोरेशन के लिए काम करते हैं, जिसका मुख्यालय ताइवान में है। पुलिस ने शुरुआती जानकारी के हवाले से बताया कि कोलार जिले के नरसापुरा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इकाई के कर्मचारियों ने परिसर में कारों को पलट दिया और फर्नीचर को क्षतिग्रस्त किया। पुलिस के एक अधिकारी ने को बताया कि 'वेतन' संबंधी मसलों को लेकर कर्मचारियों ने पथराव किया, खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए, गाड़ियों, फर्नीचर, कंप्यूटर और लैपटॉप को नुकसान पहुंचाया। कंपनी के सूत्रों के मुताबिक, हिंसक घटना में कई कर्मचारी शामिल थे। संपर्क करने पर कंपनी की ओर से घटना और 'वेतन मसलों' पर तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी गई। ट्रेड यूनियन के एक नेता ने बताया कि अनुबंध पर रखे गए अधिकतर कर्मचारियों को 'समय' पर तनख्वाह नहीं दी जाती है और वेतन में कटौती को लेकर उनकी चिंताएं हैं। विस्ट्रॉन कॉर्पोरेशन ऐप्पल के लिए आईफोन 7, लेनोवो, माइक्रोसॉफ्ट समेत अन्य के लिए आईटी उत्पाद बनाती है।

देश की आर्थिक स्थिति काफी अनिश्चित, 2020-21 में अर्थव्यवस्था में आएगी 10% की गिरावट: सेन

बिजनेस डेस्क:

देश की वृहद आर्थिक स्थिति 'काफी अनिश्चित' है और चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब 10 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। पूर्व मुख्य सांख्यिकीविद प्रणव सेन ने यह राय जताई है। सेन ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था का कुल वृहद प्रबंधन बहुत अच्छा नहीं है, लेकिन अर्थव्यवस्था में यह सुस्ती उनके नियंत्रण से बाहर है। सेन ने कहा, ''फिलहाल भारत की मौजूदा वृहद आर्थिक स्थिति काफी अनिश्चित है। मैं कहूंगा कि हमें बहुत-बहुत सतर्क रहना होगा। मुझे लगता है कि आसपास कुछ अधिक 'आशावाद' का माहौल है।'' उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष यानी 2020-21 में भारत की अर्थव्यवस्था की वास्तविक वृद्धि दर नकारात्मक 10 प्रतिशत रहेगी। सेन ने कहा कि तिमाही जीडीपी आंकड़े अब भी कुछ कॉरपोरेट खातों पर आधारित होते हैं। कॉरपोरेट क्षेत्र का प्रदर्शन गैर-कॉरपोरेट क्षेत्र की तुलना में अधिक खराब नहीं रहा है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ने कहा, ''हमें पता है कि कंपनियों की तुलना में सूक्ष्म, लघु एवं मझोला उपक्रम (एमएसएमई) क्षेत्र अधिक प्रभावित हुआ है। ऐसे में राष्ट्रीय खातों से जो आंकड़े आ रहे है वे अर्थव्यवस्था की कुछ अधिक आशावादी तस्वीर दिखा रहे हैं।'' सेन ने निवेशकों का भरोसा कायम करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि निवेशक वे नए लोग हैं जो नई उत्पादन क्षमता में अपना पैसा लगाते हैं। यह पूरी तरह नदारद है। उन्होंने कहा कि जब तक निवेश वापस नहीं लौटता अर्थव्यवस्था आगे नहीं बढ़ सकती है।

सेन ने कहा, ''अभी जैसी स्थिति है, तो हमारी उत्पादन क्षमता 2019-20 की तुलना में अधिक ऊंची नहीं रहेगी। वास्तव में यह इससे कम रहेगी, क्योंकि कुछ क्षमता अब बंद हो चुकी है।'' सेन सांख्यिकी पर स्थायी समिति (एससीईएस) के प्रमुख भी हैं। उन्होंने कहा कि समिति अभी तक अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप नहीं दे पाई है।

वृहद आर्थिक आंकड़ों, ब्याज दरों पर फेडरल रिजर्व के रुख से तय होगी बाजार की दिशा

नई दिल्ली:

वृहद आर्थिक आंकड़ों और अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय जैसे वैश्विक घटनाक्रमों से इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''इस सप्ताह बाजार को मुद्रास्फीति और आयात-निर्यात जैसे बड़े आंकड़ों का इंतजार रहेगा।'' इसके अलावा वैश्विक बाजारों की दिशा ब्रेक्जिट वार्ता, अमेरिका के प्रोत्साहन उपायों आदि से तय होगी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''बाजार का कुल रुख सकारात्मक है। तरलता की बेहतर स्थिति, वैक्सीन के मोर्चे पर सकारात्मक घटनाक्रमों तथा अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद के बीच बाजार जुझारू क्षमता दिखा रहा है।'' हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका में प्रोत्साहन को लेकर गतिरोध और ब्रेक्जिट वार्ता का नतीजा नहीं निकलने की वजह से बाजार कुछ समय तक इसी स्तर पर टिका रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,019.46 अंक या 2.26 प्रतिशत के लाभ में रहा।

यस बैंक का 2 साल में क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को दोगुना करने का लक्ष्य

नई दिल्ली:

निजी क्षेत्र के यस बैंक के क्रेडिट कार्ड कारोबार के प्रमुख रजनीश प्रभु ने कहा कि बैंक अपने क्रेडिट कार्ड बिजनेस को एक प्रमुख ब्रांड की तरह तैयार करना चाहता है और उसका लक्ष्य इस खंड में अपने ग्राहकों की संख्या को अगले दो वर्षों में दोगुना करने का है। इसके साथ ही बैंक अगले दो वर्षों के दौरान इस कारोबार के आकार को चार गुना बढ़ाना चाहता है। रजनीश प्रभु ने बताया, ''क्रेडिट कार्ड से होने वाला कुछ व्यय कोविड से पहले के स्तर पर आ गया है। कुछ बैंकों ने 80-90 प्रतिशत का आंकड़ा दिया है, कुछ के लिए यह 90 प्रतिशत है, मेरा विश्वास है कि ज्यादातर सामान्य स्तर तक आ गए हैं। कुछ क्षेत्र अभी भी धीमे हैं, जहां सुधार 25-30 प्रतिशत हुआ है।'' उन्होंने कहा कि खानपान की जगह और होटलों में यह सुधार अभी भी धीमा है, लेकिन जब आप किराने की दुकान, सुपर मार्केट या उपयोगिता भुगतान और इलेक्ट्रॉनिक स्टोरों को देखते हैं, तो वहां बहुत अधिक सुधार दिखाई देता है। प्रभु ने कहा कि कुल मिलाकर उद्योग अपने पैरों पर वापस खड़ा हो रहा है और ई-कॉमर्स ने अच्छी छलांग लगाई है। उन्होंने कहा कि ऐसे में बैंक ने अगले दो वर्षों में अपने कारोबार को चार गुना बढ़ाने और ग्राहक आधार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार सितंबर 2020 के अंत में यस बैंक का क्रेडिट कार्ड बकायों की संख्या 8,16,208 थी जिनका लेनदेन मूल्य 490.76 करोड़ रुपए था।

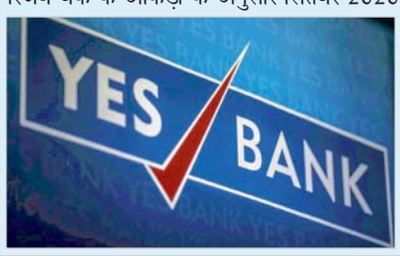

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का भारत पर भरोसा कायम, वर्ष 2020 में किया रिकॉर्ड निवेश

नई दिल्ली:

आकर्षक मूल्यांकन, तरलता की बेहतर स्थिति और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के रुख के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस साल यानी 2020 में भारतीय शेयर बाजारों में 1.4 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड निवेश किया है। यह उनके निवेश का सर्वकालिक उच्चस्तर है। हालांकि, कोविड-19 महामारी से अर्थव्यवस्था पर पड़े दबाव के बीच विदेशी निवेशकों ने ऋण या बांड प्रतिभूतियों से रिकॉर्ड निकासी भी की है। डिपॉजिटरी के ताजा आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने इस साल अब तक शुद्ध रूप से बांड बाजार से एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की निकासी की है। हालांकि, हाइब्रिड प्रतिभूतियों में उन्होंने शुद्ध रूप से 10,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि यदि कुल निवेश परिदृश्य में कोई बड़ा बदलाव नहीं आता है, तो यह रुख अगले कुछ माह तक और जारी रहेगा। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''कोविड-19 टीके को लेकर कुछ महत्वपूर्ण घटनाक्रमों से भारत को लाभ होगा। इसके अलावा अर्थव्यवस्था में सुधार से निवेशकों की धारणा और भारत के प्रति उनके परिदृश्य में भी सुधार होगा। ऐसे में भारत एक आकर्षक निवेश गंतव्य बना रहेगा।%% उन्होंने कहा कि यदि अर्थव्यवस्था लंबे समय तक कमजोर बनी रहती है, तो यह एक बड़ी बाधा साबित होगा। इसके अलावा यदि कोरोना वायरस महामारी की एक और लहर की वजह से लॉकडाउन उपायों को फिर लागू करना पड़ता है, तो इससे धारणा प्रभावित होगी और विदेशी निवेशक जोखिम लेने से बचेंगे। वर्ष 2020 समाप्त होने वाला है। अब तक एफपीआई ने इस साल शेयरों में शुद्ध रूप से 1.42 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है। यह 2002 से किसी कैलंडर वर्ष में उनका सबसे ऊंचा निवेश है। यह इतिहास में पांचवां अवसर है जबकि शेयरों में एफपीआई का शुद्ध निवेश किसी साल में एक लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। इससे पहले 2019 में एफपीआई ने शेयरों में शुद्ध रूप से 1.01 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया था। 2013 में उनका शुद्ध निवेश 1.13 लाख करोड़ रुपए, 2012 में 1.28 लाख करोड़ रुपए और 2010 में 1.33 लाख करोड़ रुपए रहा था। वहीं दूसरी ओर एफपीआई ने ऋण या बांड बाजार से 2020 में 1.07 लाख करोड़ रुपए की निकासी की है। हालांकि, इसके

दौरान उन्होंने ऋण-वीआरआर में 23,350 करोड़ रुपए का निवेश किया है। रिजर्व बैंक ने ऋण बाजारों में एफपीआई के दीर्घावधि के स्थिर निवेश को आकर्षित करने के लिए मार्च, 2019 में स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग (वीआरआर) शुरू किया था। इस मार्ग से निवेश करने वाले एफपीआई यदि अपने निवेश का न्यूनतम प्रतिशत एक निश्चित अवधि के लिए स्वैच्छिक रूप से भारत में रोकने की प्रतिबद्धता जताते हैं, तो उन्हें बांड बाजार में एफपीआई निवेश से संबंधित कई नियामकीय नियमों से छूट मिलती है। वर्ष 2020 में एफपीआई ने बांड बाजार से रिकॉर्ड निकासी की है। इससे पहले एफपीआई ने 2013 में बांड बाजार से 50,849 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड राशि निकाली थी। एफपीआई के सभी निवेश (शेयर, बांड, बांड-वीआरआर और हाइब्रिड) को देखा जाए, तो 2020 में भारतीय बाजारों में उनका शुद्ध निवेश 68,200 करोड़ रुपए रहा है। अभी इस साल के कुछ कारोबारी सत्र बचे हैं।

PSB बैंकों को मिलेंगे 14,500 करोड़ रुपए, चौथी तिमाही में फैसला करेगा वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली:

वित्त मंत्रालय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में शेष 14,500 करोड़ रुपए की पूंजी डालने के बारे में चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में फैसला करेगा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि पहली छमाही के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद यह तथ्य सामने आया है कि 12 सरकारी बैंकों में से पंजाब एंड सिंध बैंक को नियामकीय जरूरतों को पूरा करने के लिए 5,500 करोड़ रुपए की पूंजी की जरूरत है। ऐसे में सरकार ने पिछले महीने इक्विटी शेयरों के तरजीही आवंटन से पंजाब एंड सिंध बैंक में पूंजी डालने की मंजूरी दी है। वित्त वर्ष 2020-21 की अनुदान की पूरक मांगों की पहली खेप के तहत संसद ने सितंबर में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए 20,000 करोड़ रुपए की पूंजी मंजूर की है। इसमें से 5,500 करोड़ रुपए पंजाब एंड सिंध बैंक में डालने के बाद 14,500 करोड़ रुपए की राशि बची है। सूत्रों ने बताया कि तीसरी तिमाही के आंकड़ों के बाद प्रदर्शन की समीक्षा से बैंकों को स्पष्ट रूप से पता होगा कि कोविड-19 महामारी के बीच रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप ऋण के एकबारगी पुनर्गठन से उनपर कितना अतिरिक्त बोझ पड़ा है। सूत्रों ने कहा कि इसके अलावा उस समय गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) को लेकर भी चीजें स्पष्ट हो चुकी होंगी, क्योंकि तबतक संभवतः उच्चतम न्यायालय ब्याज पर ब्याज मामले को लेकर फैसला सुना देगा। बीते वित्त वर्ष 2019-20 में सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 70,000 करोड़ रुपए की पूंजी डालने का प्रस्ताव किया था। हालांकि, 2020-21 के बजट में सरकार ने ऐसी कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई थी, क्योंकि उसका मानना था कि बैंक अपनी जरूरत के हिसाब से बाजार से पैसा जुटा लेंगे। बीते वित्त वर्ष में पंजाब नेशनल बैंक को 16,091 करोड़ रुपए, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 11,768 करोड़ रुपए, केनरा बैंक को 6,571 करोड़ रुपए और इंडियन बैंक को 2,534 करोड़ रुपए की पूंजी मिली थी। इनके अलावा इलाहाबाद बैंक को 2,153 करोड़ रुपए, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया को 1,666 करोड़ रुपए और आंध्रा बैंक को 200 करोड़ रुपए की पूंजी मिली थी। इन बैंकों का अब अन्य बैंकों में विलय हो चुका है। साथ ही बैंक ऑफ बड़ौदा को 7,000 करोड़ रुपए, इंडियन ओवरसीज बैंक को 4,360 करोड़ रुपए, यूको बैंक को 2,142 करोड़ रुपए, पंजाब एंड सिंध बैंक को 787 करोड़ रुपए तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को 3,353 करोड़ रुपए की पूंजी सरकार की ओर से मिली थी।

चाबहार के संयुक्त उपयोग के लिए भारत, ईरान और उज्बेकिस्तान 14 दिसंबर को करेंगे बैठक

नई दिल्ली: भारत, ईरान और उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के लिए संपर्क (कनेक्टिविटी) की दृष्टि से अहम माने जा रहे चाबहार बंदरगाह का रणनीतिक रूप से संयुक्त इस्तेमाल करने पर सोमवार को एक त्रिपक्षीय वार्ता करेंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) द्वारा बैठक की घोषणा की गई। मंत्रालय ने कहा, ''भारत, ईरान और उज्बेकिस्तान के बीच चाबहार बंदरगाह के संयुक्त इस्तेमाल पर त्रिपक्षीय कार्य समूह की पहली बैठक 14 दिसंबर को ऑनलाइन तरीके से होगी। भारत, ईरान और अफगानिस्तान द्वारा बंदरगाह विकसित किया जा रहा है ताकि इन तीनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को बढ़ावा दिया जा सके। अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) परियोजना में भारत द्वारा उज्बेकिस्तान की भागीदारी की पृष्ठभूमि में त्रिपक्षीय बैठक हो रही है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''भारत चाबहार बंदरगाह को पारगमन (ट्रांजिट) बंदरगाह के रूप में उपयोग करने के लिए उज्बेकिस्तान की रूचि का स्वागत करता है। इससे क्षेत्र के व्यापारियों और व्यापारिक समुदाय के लिए आर्थिक अवसर खुलेंगे। इसमें कहा गया है, ''उज्बेकिस्तान के अलावा, अन्य मध्य एशियाई देशों ने भी बंदरगाह का उपयोग करने में रुचि दिखाई है। भारत इस मुद्दे पर क्षेत्रीय देशों के साथ निकट सहयोग करना चाहता है।

वित्त मंत्री की प्री-बजट कंसल्टेशन मीटिंग आज से, पहली मीटिंग शीर्ष उद्योगपतियों के साथ

नई दिल्ली:

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले आम बजट की तैयारी के सिलसिले में सोमवार से विभिन्न उद्योग संगठनों और विशेषज्ञों के साथ प्री-बजट कंसल्टेशन मीटिंग शुरू करेंगी। ये बैठक वर्चुअली होगी। वित्त मंत्री 14 दिसंबर को शीर्ष उद्योगपतियों के साथ बजट पूर्व विचार विमर्श करेंगी। वित्त मंत्रालय ने आज एक ट्वीट में यह जानकारी दी। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने फैसला किया था कि वह अगले बजट की तैयारी के सिलसिले में विभिन्न उद्योग संगठनों और विशेषज्ञों से सुझाव ई- मेल के जरिए लेगा। वित्त मंत्रालय आम बजट 2021-22 पर सुझाव लेने के लिए एक 'ई-मेल आईडी' बनाएगा। कोरोना वायरस महामारी की वजह से मंत्रालय ने यह कदम उठाने का फैसला किया था। इसके अलावा सरकार के 'माईगॉव' पोर्टल ने भी आम जनता से बजट पर सुझाव लेने के लिए मंच उपलब्ध कराया था। यह मंच 15 नवंबर से 30 नवंबर तक खुला था।

आम लोगों से सुझाव

वित्त मंत्रालय वर्षों से वार्षिक बजट से पहले नॉर्थ ब्लॉक में उद्योग संघों, व्यापार संगठनों तथा विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श करता रहा है। मंत्रालय ने कहा कि वार्षिक बजट 2021-22 के लिए विचार-विमर्श की प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ाने तथा इसे अधिक लोकतांत्रिक बनाने के लिए सरकार ने माईगॉव प्लेटफॉर्म पर माइक्रो-साइट (ऑनलाइन पोर्टल) शुरू किया था। आम बजट 1 फरवरी को पेश किया जा सकता है।

आज से 24 घंटे मिलेगी RTGS की सुविधा, इंस्टैंट कर सकेंगे 2 लाख रुपए से ज्यादा के ट्रांजेक्शन

बिजनेस डेस्क:

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने ग्राहकों को बड़ी सुविधा प्रदान करते हुए 'रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट' (RTGS) सिस्टम को साल के 365 दिन 24 घंटे के लिए लागू कर दिया है। आरटीजीएस सुविधा आज रात 12:30 बजे से 24*7 चालू रहेगी। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने इसका ऐलान किया है।

डिजिटल बैंकिंग को मिलेगा बढ़ावा

इससे पहले अक्टूबर में आरबीआई ने रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट सिस्टम को दिसंबर 2020 से 24 घंटे सातों दिन चालू रखने का ऐलान किया था यानी अब से आपको बड़ी रकम ट्रांसफर करने के लिए बैंक के खुलने और बंद होने का इंतजार नहीं करना होगा। आरबीआई ने देश भर में डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया है। कोरोना काल में डिजिटल बैंकिंग का उपयोग बढ़ गया है। आपको बता दें कि आरटीजीएस के तहत न्यूनतम ट्रांसफर अमाउंट दो लाख रुपए है। वहीं अधिकतम राशि की कोई सीमा नहीं है।

क्या है RTGS?

आरटीजीएस डिजिटल फंड ट्रांसफर करने का एक तरीका है। इसकी मदद से रियल टाइम में पैसे ट्रांसफर हो जाते हैं। RTGS का उपयोग मुख्य रूप से बड़ी रकम के ट्रांसफर के लिए होता है। इसके तहत न्यूनतम 2 लाख रुपए भेजे जा सकते हैं जबकि अधिकतम राशि भेजने की सीमा 10 लाख रुपए है। आरटीजीएस के जरिए 2 लाख से 5 लाख तक का फंड ट्रांसफर करने के लिए अधिकतम शुल्क 24.5 रुपए है। 5 लाख से अधिक के फंड ट्रांसफर के लिए बैंक 49.5 रुपए का तक फीस ले सकता है। इस पर जीएसटी भी देनी पड़ती है। देश का सबसे बड़े बैंक एसबीआई आरटीजीएस पर कोई फीस नहीं लेता है।

कब हुई थी शुरुआत

RTGS की शुरुआत 26 मार्च 2004 को हुई थी। उस समय केवल 4 बैंक ही इस सेवा से जुड़े थे। लेकिन अब देश के 237 बैंक इस सिस्टम के जरिए 4.17 लाख करोड़ रुपए के लेन-देन को प्रतिदिन पूरा करते हैं। नवंबर में आरटीजीएस से औसत 57.96 लाख रुपए का लेनदेन हुआ। फिलहाल दूसरे और चौथे शनिवार को छोड़कर महीने के सभी कार्यदिवस पर सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक क्लास की मदद से फंड ट्रांसफर किया जाता है।

6 करोड़ EPFO सब्सक्राइबर्स के लिए अच्छी खबर, इस महीने आ सकता है ब्याज

बिजनेस डेस्क:

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के 6 करोड़ सब्सक्राइबर्स के लिए अच्छी खबर है। ईपीएफओ वित्त वर्ष 2019-20 के लिए करीब छह करोड़ अंशधारकों के कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) खातों में दिसंबर के अंत तक एकमुश्त 8.5 प्रतिशत का ब्याज डालेगा। इससे पहले ईपीएफओ ने सितंबर में इस ब्याज का भुगतान दो किस्तों में करने का फैसला किया था। पहली किस्त में 8.15 फीसदी और दूसरी किस्त में 0.35 फीसदी ब्याज दिया जाना था लेकिन सूत्रों के मुताबिक लेबर मिनिस्ट्री ने वित्त मंत्रालय को एक बार में ब्याज के भुगतान का प्रस्ताव भेजा है। वित्त मंत्रालय कुछ दिनों में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे सकता है। इस तरह इसी महीने पूरे ब्याज का भुगतान किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक वित्त मंत्रालय ने पिछले वित्त वर्ष के लिए ब्याज दर पर कुछ स्पष्टीकरण मांगा था जिसका समाधान हो चुका है। इस साल मार्च में ईपीएफओ की फैसला लेने वाली सर्वोच्च संस्था सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) ने 2019-20 के लिए ईपीएफ पर 8.5 फीसदी ब्याज को मंजूरी दी थी। इस संस्था के अध्यक्ष लेबर मिनिस्टर संतोष गंगवार हैं। सितंबर में सीबीटी की वर्चुअल मीटिंग में ईपीएफओ ने पिछले वित्त वर्ष में 8.5 फीसदी ब्याज देने के वादे पर मुहर लगाई। लेकिन सीबीटी ने महामारी को देखते हुए दो किस्तों में ब्याज का भुगतान करने का फैसला किया।

एक बार में मिलेगा ब्याज

तब लेबर मिनिस्ट्री ने कहा था कि कोविड-19 महामारी से पैदा हुई असाधारण परिस्थितियों के कारण सीबीटी ने ब्याज दर के बारे में एजेंडे की समीक्षा की और केंद्र सरकार को उसी ब्याज दर की सिफारिश की लेकिन दो किस्तों में इसके भुगतान का फैसला किया गया। सूत्रों के मुताबिक शेयर बाजार अब अच्छी स्थिति में है इसलिए एक ही बार में 8.5 फीसदी ब्याज क्रेडिट करने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

राशन कार्ड होगा रद्द: कभी भी कट सकता है आपका नाम, नई गाइडलाइंस जारी

बिजनेस डेस्क:

कोरोनकाल में राशन कार्ड को लेकर केंद्र सरकार एक के बाद एक नए फैसले ले रही है। अब एक बार फिर से केंद्र के निर्देश पर राज्य सरकारें राशन कार्ड को लेकर एक नई गाइडलाइंस जारी की हैं। इसके तहत अगर आपने 3 महीने तक राशन नहीं लिया है तो आपका राशन कार्ड रद्द भी हो सकता है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों ने इस पर अमल भी करना शुरू कर दिया है। हाल ही में उत्तर प्रदेश के खाद्य आपूर्ति विभाग ने हर जिले से रिपोर्ट मांगी है। जिलों से सूचना मिलते ही राशन कार्ड रद्द करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

तीन महीने तक राशन नहीं लिया तो होगी कार्रवाई

उत्तर प्रदेश की खाद्य आपूर्ति विभाग ने ऐसे लोगों की सूची मांगी है, जिन्होंने बीते तीन महीने से राशन नहीं लिया है। विभाग का मानना है कि पहले प्रवासी या कामगार बाहर जाने के कारण राशन नहीं ले पाते थे लेकिन अब देश में वन नेशन वन राशन कार्ड योजना यानी पोर्टेबिलिटी लागू होने के बाद वे कहीं से भी राशन ले सकते हैं। ऐसे में अगर लाभार्थी राशन नहीं ले रहे हैं तो इसका मतलब है कि वह खुद ही अपना पेट भरने में सक्षम हैं। ऐसे में अगर उनके राशन कार्ड रद्द कर दूसरे जरूरतमंदों को मिलेगा तो उसे लाभ भी मिलेगा। देश में 31 मार्च 2021 तक 81 करोड़ से भी ज्यादा लाभार्थियों को राशन कार्ड की मदद से लाभ पहुंचाया जा रहा है। केंद्र सरकार पूरी कोशिश कर रही है कि 31 मार्च 2021 तक देश के सभी राज्यों को वन नेशन वन राशन कार्ड योजना से जोड़ दिया जाए। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत आने वाले सभी 81 करोड़ लाभार्थियों को इसका लाभ फिर से आसानी से मिल सकेगा। देश में अब कुल 28 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में राष्ट्रीय पोर्टेबिलिटी सुविधा शुरू हो गई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

शीर्ष भारतीय टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना ने दुबई में जीता ITF युगल खिताब

दुबई । भारत की शीर्ष टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना ने यहां कैटरीन गोर्गोद्जे के साथ मिलकर अल हबटूर ट्रॉफी अपने नाम की जिससे कोविड-19 महामारी से प्रभावित 2020 सत्र में यह उनका तीसरा युगल खिताब है। भारत और जार्जिया की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी ने शनिवार को 100,000 डॉलर पुरस्कार राशि के हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में स्पेन की अलियोना बोलसोवा जादोइनोव और स्लोवाकिया की काजा जुवान की जोड़ी पर 6-4 3-6 10-6 से जीत हासिल की। अंकिता का यह सत्र का चौथा युगल फाइनल था लेकिन यह कैलेंडर की सबसे बड़ी ट्राफी थी क्योंकि इससे पहले उन्होंने जो दो खिताब जीते थे वो 25,000 डॉलर स्तर के थे। इस साल फरवरी में अंकिता ने तीन फाइनल में प्रवेश किया जिसमें से उन्होंने बिबियाने शूफ्स के साथ थाईलैंड के नोंथाबुरी में लगातार खिताब जीते थे और जोधपुर में हमवतन स्नेहल माने के साथ उप विजेता रही थीं।

आईएसएल-7

लगातार पांचवीं जीत दर्ज करने उतरेगा मुम्बई सिटी

गोवा।

हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में लगातार चार जीत दर्ज करने के बाद टेबल टॉपर मुम्बई सिटी एफसी सोमवार को बोम्बोलिम के जीएमसी स्टेडियम में जमशेदपुर एफसी के खिलाफ होने वाले अपने अगले मैच में भी जीत की लय जारी रखना चाहेगी। ऐसा नहीं है कि मुम्बई के पक्ष में केवल परिणाम ही आया है बल्कि इस सीजन में उसके प्रदर्शन में निरंतरता भी देखने को मिली है। कोच सर्जियो लोबेरा की टीम ने इस सीजन में अब तक सबसे ज्यादा आठ गोल किए हैं जबकि कम से कम दो गोल खाए हैं। गोल करने के लिए टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। टीम के लिए इस सीजन में अब तक चार अगल अलग खिलाड़ी गोल कर चुके हैं। लेकिन, इन सब के बावजूद कोच लोबेरा का मानना है कि उनकी टीम को अभी एक लंबा रास्ता तय करना है। लोबेरा ने कहा, हमें बहुत चीजों में सुधार करने की जरूरत है। हम लगातार चार मैच जीते हैं और यह आसान नहीं है। लेकिन हमें फिर भी कई चीजों में सुधार करने की आवश्यकता है। लेकिन ऐसी परिस्थितियों में हमारे पास समय कम है। उन्होंने कहा, हमें कदम दर कदम आगे बढ़ने की जरूरत है। हमारा ध्यान अगले मैच पर पर है। लेकिन मैं उन खिलाड़ियों से खुश हूं, जिन्होंने आखिरी मैच में अपना प्रयास किए हैं। मुम्बई के लिए खिलाड़ियों के चोटिल होने की समस्या नहीं है। लेकिन टीम को एक बार फिर से मंदार राव देसाई की सेवाएं नहीं मिल पाएगी, जो निजी कारणों से पिछले तीन मैचों में नहीं खेल पाएं हैं। मुम्बई के मौजूदा फॉर्म को देखते हुए किसी भी टीम को आइलैंडर्स से सावधान रहना होगा। लेकिन जमशेदपुर के कोच ओवेन कॉयले लीग में दूसरों की तुलना में थोड़ा अधिक आशावादी है। जमशेदपुर की टीम एटीके मोहन बागान को हराकर उसका विजयरथ रोक चुकी है और कॉयले को उम्मीद है कि उनकी टीम इसी प्रदर्शन को आगे भी जारी रखेगी। कॉयले ने कहा, वे (मुंबई) अच्छी फॉर्म में हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने लगातार चार मैच जीते हैं। लेकिन एटीके मोहन बागान के खिलाफ हमने जो किया वह शानदार था। वे लीग में शीर्ष पर थे, अपराजित थे और हमसे भिड़ने से पहले वे एक भी गोल नहीं खाए थे। हमें उसी स्तर के प्रदर्शन को जारी रखना होगा। कॉयले एक बार फिर से नेरीजुस व्लास्किस पर निर्भर होंगे, जो इस सीजन में जमशेदपुर के छह गोलों में से पांच गोल खुद दाग चुके हैं। जमशेदपुर अपने प्रतिद्वंद्वी मुम्बई से छह अंक पीछे है और टीम ने पिछले चार मैचों में तीन ड्रॉ खेले हैं। हालांकि, कोयले का मानना है कि उनकी टीम के लिए चीजें धीरे-धीरे सही हो रही हैं। उन्होंने कहा, हम पिछले चार मैचों से अजेय हैं। कुछ ऐसे मैच थे, जहां हमें लगा कि हमें जीतना चाहिए था। इसलिए हम अच्छी फॉर्म में हैं। हमें बस कड़ी मेहनत करते रहना है। हमारे साथ चोट की भी समस्या है। एक बार जब हमें अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम मिल जाएगी, तो हम और भी मजबूत हो जाएंगे।

चेन्नई के अश्विन ने जेके टायर एनआरसी में छाप छोड़ी

कोयम्बटूर।

डार्क डॉन रेसिंग टीम के चालक अश्विन दत्ता और कोट्टयम के आमिर सईद ने कारी मोटर स्पीडवे में रविवार को दोहरी जीत के साथ जेके टायर-एफएमएससीआई नेशनल रेसिंग चैम्पियनशिप के 23वें सीजन के पहले राउंड को साइनऑफ किया। दत्ता ने अपने रास्ते मे आए दो मौकों को भुनाया और फार्मूला एलजीबी4 कार्स की राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की दो रेसों में टॉप स्थान हासिल किया। चेन्नई के इस युवा चालक के लिए दिन की शुरुआत हालांकि अच्छी नही रही थी। शनिवार को फाइनल रेस में दत्ता ने जीत हासिल की थी लेकिन विरोध और ऑफिशियल आब्जरवेशन के बाद प्लेसिंग्स को बदस दिया गया था। नई सूची में अश्विन दत्ता 12वें स्थान पर आ गए थे। नई सूची में सरोष को विजेता घोषित किया गया था।

इससे हालांकि दत्ता को कोई फर्क नहीं पड़ा और इस रेसर ने रविवार सुबह हुई रेस में बिना किसी एक्सीडेंट के पहला स्थान हासिल किया। अश्विन दत्ता ने अपने इस प्रदर्शन को जारी रखा और दूसरी रेस में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद जीत हासिल की। दिन की अंतिम रेस में अश्विन शानदार लय में दिखे और इस तरह उन्होंने दो दिनों में तीन जीत के साथ पहले राउंड का समापन किया।

अंतिम राउंड में अश्विन दत्ता को एमस्पोर्ट के विष्णु प्रसाद और रघुल रंगास्वामी से कड़ी टक्कर मिली। ऐसा लग रहा था कि कोई भी जीत सकता है। प्रतिस्पर्धा का दबाव आगे चल रहे चालकों पर साफ दिक रहा था। विष्णु ने टर्न 6 पर आगे निकलने की कोशिश की और इस प्रयास में दत्ता की कार से जा भिड़े। इनके लिए रेस यहीं समाप्त हो चुकी थी। रघुल ने इसका फायदा उठाया और पहला स्थान पाने में सफल रहे। सरोश् दूसरे और संदीप तीसरे स्थान पर रहे। दत्ता ने रेस के बाद कहा, इतनी मेहनत के बावजूद तीसरी रेस नहीं जीत पाना काफी निराशाजनक है। रघुल ने हालांकि इस जीत का जश्न नहीं मनाया क्योंकि उनके साथी विष्णु का दुर्घटना में दायां हाथ चोटिल हो गया था।

अभ्यास मैच में चमके बल्लेबाज, मैच ड्रॉ

सिडनी।

भारत और आस्ट्रेलिया-ए के बीच यहां सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एसीसीजी) में खेला गया तीन दिवसीय दिन-रात का अभ्यास मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारत ने आस्ट्रेलिया-ए को 473 रनों का लक्ष्य दिया था और लग रहा था कि जीत हासिल कर लेगी लेकिन जैक वाइल्डरमुथ के नाबाद 111 और बेन मैक्डरमोट की नाबाद 107 रनों की पारी ने भारतीय अरमानों पर पानी फेर दिया। तीसरे दिन रविवार को अपनी दूसरी पारी खेलने उतरी आस्ट्रेलिया-ए ने अपने तीन विकेट 25 रनों पर ही खो दिए। मार्कस हैरिस (5), जोए बर्न्स (1) और निक मेडिसन (14) तीनों पवेलियन लौट लिए। बेन ने फिर एलेक्स कैरी (58) के साथ पारी को बनाया। कैरी हालांकि 142 रनों के कुल स्कोर पर आउट हुए। इसके बाद बेन और जैक ने कोई और झटका नहीं लगने दिया और 165 रनों की साझेदारी कर मैच ड्रॉ करा दिया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक आस्ट्रेलिया-ए ने चार विकेट खोकर 307 रन बनाए। जैक ने 119 गेंदों का सामना करते हुए 12 चौके और तीन छक्के लगाए। बेन ने अपनी पारी में 167 गेंदों का सामना किया और 16 चौके लगाए। भारत ने पहली पारी में 194 रन बनाए थे और आस्ट्रेलिया-ए को 108 रनों पर ही ढेर कर दिया था। भारत ने फिर हनुमा विहारी के नाबाद 104 और और ऋषभ पंत के नाबाद 103 रनों की पारी के बूते चार विकेट पर 386 रन बना पारी घोषित कर दी थी।

आईसीसी ने 2022 अंडर-19 विश्वकप क्वालीफिकेशन कार्यक्रम दोबारा जारी किया

दुबई।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने 2022 में होने वाले अंडर-19 क्रिकेट विश्वकप क्वालीफिकेशन कार्यक्रम को रविवार को फिर से जारी किया। विश्वकप पांच स्थानों के लिए 33 टीमें प्रतिस्पर्धा करेगी। टूर्नामेंट का 14वां संस्करण 2022 की शुरुआत में वेस्टइंडीज में होना है। इसमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्ट इंडीज और जिम्बाब्वे पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली है, क्योंकि ये टीमें 2020 सीजन की समाप्ति तक शीर्ष में थी। बाकी बचे पांच स्थानों के लिए रिजनल क्वालीफिकेशन होगी। सात क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं के माध्यम से पहले 33 टीमों का चयन होगा, इसकी शुरूआत जून 2021 से होगी। एशिया और अफ्रीका क्षेत्र में टीमों की संख्या अधिक होने के कारण क्वालिफिकेशन के मुकाबले दो स्तर में होंगे जबकि अमेरिका, ईएपी (पूर्वी एशिया और प्रशांत महासागर क्षेत्र) और यूरोप में एक स्तरीय क्वालिफिकेशन मुकाबले होंगे। अन्य तीन रीजन अमेरिका, ईएपी और यूरोप की टीमों में, एक डिवीजन क्वालीफाइंग प्रक्रिया होगी, जिसमें प्रत्येक क्षेत्रीय क्वालीफायर के विजेता 2022 विश्व कप में अपनी जगह बनाएंगे।

जून 2021 से अफ्रीका डिवीजन 2 के साथ रोड टू वेस्टइंडीज की शुरुआत होगी

जून 2021 में तंजानिया में होने वाले अफ्रीका डिवीजन 2 के साथ रोड टू वेस्टइंडीज की शुरुआत होगी। मेजबान, बोत्सवाना, केन्या, मोजाम्बिक, रवांडा और सिएरा लियोन अफ्रीका के नामीबिया में नाइजीरिया और युगांडा के साथ अफ्रीका क्वालीफायर में खेलेंगे और इसकी शुरुआत सितंबर 2021 से होगी। नाइजीरिया क्वालीफायर की मेजबानी करेगी।

आईसीसी प्रतियोगिताओं के प्रमुख क्रिस टेट्ली ने कहा कि आईसीसी अंडर-19 पुरुष विश्व कप में भविष्य की सितारों की झलक मिलती है। इस प्रतियोगिता में विश्व के बड़े खिलाड़ियों ने भाग लिया है। इस क्वालिफिकेशन से नई टीमों को भी अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा। पांच स्थानों के लिए 33 टीमों के बीच मुकाबला होने से यह काफी प्रतिस्पर्धी होगा।

संक्षिप्त समाचार

महिला टी-20 विश्व कप 2023 को लेकर आई बड़ी खबर, आईसीसी ने क्वालीफिकेशन प्रक्रिया का किया ऐलान

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दक्षिण अफ्रीका में होने वाले महिला टी-20 विश्व कप-2023 के क्वालीफाइंग कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। नौ से 23 फरवरी-2023 को खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में 10 टीमें हिस्सा लेंगी। इस विश्व कप के लिए मेजबान के अलावा 30 नवंबर-2021 तक आईसीसी रैंकिंग की शीर्ष-7 टीमें और 2020 में आस्ट्रेलिया में खेले गए टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीमें अपने आप क्वालीफाई कर जाएंगी। बाकी की दो टीमों के लिए क्वालीफिकेशन प्रक्रिया होगी जो स्थानीय स्तर पर अगस्त-2021 से शुरू होगी और इसमें 37 टीमें हिस्सा लेंगी। यह महिला टी-20 विश्व कप-2020 की क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की तुलना में 10 टीमें ज्यादा हैं। भूटान, बोट्सवाना, कैमरून, फ्रांस, मालावी, म्यांमार, फिलिपिंस और तुर्की सभी पहली बार आईसीसी महिला इवेंट्स में शिरकत करेंगी। पांच क्षेत्र स्थानीय क्वालीफाइंग इवेंट की मेजबानी करेंगे। हर क्षेत्र से दो शीर्ष टीमें क्वालीफाई करेंगी जो 30 नवंबर-2021 तक महिला टी-20 रैंकिंग में नीचे की दो टीमों के साथ मिलकर प्रतिस्पर्धा करेंगी। नवंबर की कटऑफ तारीख तक स्थानीय क्वालीफायर में शीर्ष रैंक वाली टीम अंतिम स्थान के लिए क्वालीफाई करेगी.

अमेरिका के नाकामुरा बने तीसरी बार स्पीड शतरंज के बादशाह

अमेरिका (निकलेश जैन) विश्व नंबर 1 ब्लिट्ज़ शतरंज खिलाड़ी अमेरिका के हिकारु नाकामुरा नें अपने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार तीसरे वर्ष स्पीड चेस शतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया है । उन्होने एक बेहद रोमांचक फाइनल मे अंतिम मुकाबलों मे शानदार खेल दिखाते हुए फ्रांस के ग्रांड मास्टर मकसीम लागरेव को 18.5 - 12.5 के अंतर से मात देते हुए पहला स्थान हासिल कर लिया । दोनों के बीच सबसे पहले सेट मे 90 मिनट तक 5+1 मिनट के 10 मुकाबले हुए और 5.5 - 4.5 के अंतर से नाकामुरा नें यह सेट जीत लिया । इसके बाद हुए दूसरे सेट मे 60 मिनट तक 3+1 मिनट के 10 ब्लिट्ज़ मुकाबलों मे मकसीम नें जोरदार वापसी की पर जीत दर्ज नहीं कर सके और स्कोर 5-5 से बराबर रहा । ऐसे मे बारी आई तीसरे सेट मे बेहद तेज 1+1 मिनट के 11 बुलेट मुकाबलों की जिसमें पहले दो मैच जीतकर लागरेव नें बढ़त बना ली पर इसके बाद जैसे नाकामुरा तूफान बनकर खेले और बचे हुए 9 मैच मे 7 जीत और 2 ड्रॉ से 8-3 के स्कोर से यह सेट जीत लिया और कुल स्कोर 18.5 -12.5 से फाइनल अपने नाम कर लिया ।

एआईसीएफ चुनाव : निर्वाचन अधिकारी के आदेश से खुश नहीं एक खेमा, जाएगा कोर्ट

चेन्नई।

अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के निर्वाचन अधिकारी के. कनन ने सचिव भरत सिंह चौहान कैम्प द्वारा उठाई गई आपत्तियों को खारिज कर दिया है और इसलिए यह कैम्प मद्रास हाई कोर्ट जाएगा। इस खेमे के वकील ने इस बात की जानकारी दी। अपने आदेश में एआईसीएफ के चुनावों के लिए निर्वाचक मंडल को अंतिम रूप देते हुए कनन ने चौहान कैम्प के सभी आपत्तियों को खारिज कर दिया और कहा कि फरवरी-2020 में जो सूची फाइनल की गई थी वो ही नए चुनावों में रहेगी. चौहान के वकील संजय चड्ढा ने आईएएनएस से कहा, हम मद्रास हाई कोर्ट में याचिका दायर कर रहे हैं। निर्वाचन अधिकारी ने हमारे क्लाइंट की आपत्तियों पर ध्यान भी नहीं दिया। एआईसीएफ दो भागो में बंटी हुई है। एक कैम्प अध्यक्ष पी.आर. वेंकटरामा राजा का है तो दूसरा चौहान का। मद्रास हाई कोर्ट के हालिया आदेश के मुताबिक, चौहान एआईसीएफ चैक पर हस्ताक्षर करने के लिए ही हैं। चड्ढा ने साथ ही कहा कि चुनाव अधिकारी ने मद्रास हाई कोर्ट के आदेश के मुताबिक नेशनल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कोड को समझने के लिए केंद्र सरकार की मदद लेने की सलाह को भी नहीं माना। उनके मुताबिक अंडमान एंड निकोबार शतरंज संघ राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त नहीं है। अगर इस संघ के लोग वोट देते हैं तो एआईसीएफ को केंद्र सरकार की ओर से राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) की मान्यता नहीं मिलेगी। चड्ढा ने कहा कि इसी तरह हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने भी राज्य शतरंज संघ को बैन कर दिया है। एआईसीएफ ने राजस्थान शतरंज संघ को 23 मार्च 2006 को अयोग्य घोषित कर दिया था और तब से कोर्ट से किसी तरह की मोहलत नहीं मिली है। चौहान चैम्प ने तेलंगना राज्य संघ के अध्यक्ष ए. नरसिम्हा रेड्डी के वोटिंग अधिकार पर भी आपत्ति जताई थी जिसे कनन ने खारिज कर दिया। चौहान कैम्प ने यह कहते हुए इस पर आपत्ति उठाई थी कि नेशनल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कोड के मुताबिक एक इंसान दो पद पर नहीं रह सकता। कनन ने इस पर यह कहते हुए आपत्ति को खारिज किया की यह बात राज्य स्तर पर लागू नहीं होती है और सिर्फ राष्ट्रीय खेल महासंघ में ही यह नियम लागू होता है। हरियाणा शंतरज संघ के महासचिव नरेश शर्मा ने आईएएनएस से कहा, निर्वाचन अधिकारी का आदेश पूरी तरह से विपक्षी खेमे के पक्ष में है।

एडिलेड टेस्ट : वॉर्न ने आस्ट्रेलिया के लिए चुनी अपनी अंतिम एकादश

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के दिग्गज लेग स्पिनर शेन वॉर्न ने भारत और आस्ट्रेलिया के बीच 17 दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए आस्ट्रेलिया के लिए अपनी अंतिम एकादश का चयन किया है। वॉर्न ने इस डे-नाइट टेस्ट के लिए मैथ्यू वेड और मार्कस हैरिस को बतौर सलामी बल्लेबाज के रूप में चुना है। आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर और विल पुकोवस्की पहले ही इस मैच से बाहर हो चुके हैं। वार्नर को दूसरे वनडे के दौरान चोट लग गई थी। वहीं, विल पुकोवस्की भी भारत-ए के खिलाफ पहले प्रैक्टिस मैच में चोटिल हो गए थे। प्रैक्टिस मैच में कार्तिक त्यागी की गेंद पुकोव्स्की के हेलमेट पर जा लगी थी, जिसके बाद वह कन्कशन टेस्ट से गुजरे और पहले टेस्ट से वह भी बाहर रह सकते हैं। आस्ट्रेलिया की ओर से जो बर्न्स के साथ पारी की शुरूआत करने को लेकर वॉर्न ने कैमरन ग्रीन या मैथ्यू वेड में से किसी एक को मौका देने की बात कही। वॉर्न ने कहा, एडिलेड के लिए मेरी टेस्ट टीम। मैं कैमरोन ग्रीन को अंतिम एकादश में देखना चाहूंगा। लेकिन उससे पहले देखना चाहूंगा कि पिच कैसी है। अगर टीम को लगेगा तो ग्रीन भी होंगे। भारतीय कप्तान विराट कोहली पहले टेस्ट मैच के बाद अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण स्वदेश लौट जाएंगे। पहले टेस्ट के लिए शेन वॉर्न का अंतिम एकादश : टिम पेन (कप्तान), जो बर्न्स, पैट कमिंस, मैथ्यू वेड, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मार्नस लौबुशेन, नाथन लायन, विल पुकोव्स्की, मार्कस हैरिस, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क।

कोहली के खिलाफ पहले टेस्ट में मुझे बढ़त होगी - हेजलवुड

नई दिल्ली। तीन मैचों की वनडे सीरीज में विराट कोहली को तीन बार आउट करने वाले आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि 17 दिसंबर से एडिलेड में होने वाले पहले टेस्ट मैच में उन्हें कोहली के खिलाफ थोड़ी बहुत मानसिक बढ़त हासिल होगी। हेजलवुड ने कहा कि पहला टेस्ट जो दिन-रात प्रारूप में खेला जाएगा वो एक नई शुरुआत होगी। इस मैच के बाद कोहली अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट लेंगे। हेजलवुड ने संवाददाताओं से कहा, ÷नहीं मुझे नहीं लगता कि मुझे उनके खिलाफ एडवांटेज होगा। सफेद गेंद से उनके खिलाफ मेरी किस्मत ने साथ दिया। इससे आप अगले प्रारूप में मदद ले सकते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यह एक नई शुरुआत होगी। गुलाबी गेंद से अलग कहानी होती है। उन्होंने पिछले साल लाल गेंद से रन किए थे। उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि उनके खिलाफ शुरुआत करना भी अहम है। हम उनके खिलाफ एक टेस्ट में दो ही पारियों में खेलेंगे। यह जरूरी है कि हम उनके खिलाफ अच्छी शुरुआत करें और उन पारियों में उनके प्रभाव को खत्म करें। हेजलवुड ने गुलाबी गेंद से गेंदबाजी करने की चुनौती पर भी बात की।

भारतीयों को लंबे समय तक मैदान पर रखने की कोशिश करेंगे : हेजलवुड

नई दिल्ली।

आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि उनकी टीम चार मैचों की आगामी टेस्ट सीरीज में भारतीय गेंदबाजों को लंबे समय तक मैदान पर रखने की कोशिश करेगी ताकि बाद के मैचों के लिए उन्हें थकाया जा सके, जैसा कि मेजबान टीम को 2018-19 सीरीज के दौरान भारतीय टीम के खिलाफ झेलना पड़ा था। पिछले दौरे पर पहले दो टेस्ट में सामान्य गति देखने को मिली थी और टीम ने आठ पारियों में केवल दो ही बार 300 या उससे ज्यादा का स्कोर किया था। लेकिन अंतिम दो टेस्ट आस्ट्रेलियाई टीम के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं था और मेलबर्न में तीसरे टेस्ट में भारतीय टीम ने शानदार जीत दर्ज की थी। भारतीय टीम ने पहली बार आस्ट्रेलियाई धरती पर टेस्ट सीरीज जीती थी। हेजलवुड ने रविवार को संवादादाताओं से कहा, मुझे लगता है कि आपने जो देखा, वह यह था कि गेंदबाजों को पारी और चेतेश्वर पुजारा के बीच पर्याप्त आराम नहीं मिल रहा था। पुजारा ने बहुत गेंदें खेली और मुझे लगता है कि एक बल्लेबाज का लंबी सीरीज में यही लक्ष्य होता है कि वह रन बनाए और टेस्ट मैच जीते। उन्होंने कहा, उनका लक्ष्य होता है कि वे लंबे समय तक मुख्य तेज गेंदबाजी आक्रमण को मैदान पर रखे। इससे उन्हें सीरीज के बाद के मैचों में फायदा मिलता है और ठीक ऐसा ही पिछली बार भी हुआ था। मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में भारतीय बल्लेबाजों ने 169.4 ओवर तक बल्लेबाजी की थी और भारत ने सात विकेट पर 443 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। मिशेक स्टार्क ने 28 ओवर, हेजलवुड ने 31.4 ओवर, नाथन लियोन ने 48 ओवर और पैट कमिंस ने 34 ओवर की गेंदबाजी की थी। सिडनी में खेले गए चौथे और अंतिम टेस्ट में आस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने 167.2 ओवर फेंके थे और भारत ने पहली पारी में सात विकेट पर 622 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। हेजलवुड ने कहा, उम्मीद है कि इस बार हमें उम्मीद स्विंग मिल सकती है। इससे हम भारतीयों को अधिकतर समय तक मैदान से ज्यादा ज्यादा समय तक दूर रख सकते है, ताकि बाद के मैचों में हमें इसका फायदा मिल सके। हेजलवुड ने पहले वनडे में शॉट गेंदों से तीन विकेट चटकाए थे और अब उनका कहना है कि आस्ट्रेलिया की विकेट पर न केवल उछाल और गति मिलती है बल्कि यह आमतौर पर विकेट समय-समय पर काफी सपाट भी हो सकते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अलग-अलग समय पर हम शॉर्ट बॉल को एक रणनीति के रूप में इस्तेमाल करेंगे। बाउंसर रणनीति यहां रहने के लिए है। यह खेल का एक हिस्सा है।

दुनिया की सबसे ताकतवर लड़की, महज 7 साल की उम्र में उठाती है 80 किलो वजन

स्पोर्ट्स डेस्क । संयुक्त राज्य अमेरिका में वेटलिफ्टिंग में 7 साल की छोटी स्कूली बच्ची रोरी वैन उल्फैट ने 30 किलोग्राम वर्ग में अंडर-11 अंडर-13 के यूथ नेशननल चैंपियनशिप की विजेता बनने के बाद ऑनलाइन प्लेऑडिट जीता। वह अमेरिकी इतिहास में यह करने वाली सबसे युवा खिलाड़ी नेशनल चैंपियन बन गई हैं। ओटावा में रहने वाली रोरी 80 किलो की डेडलिफ्ट 32 किलो स्नैच, 42 किलो क्लीन एंड जर्क और 61 किलो की स्कवॉट कर सकती हैं। उसने जिम्नास्टिक की ट्रेनिंग अपने पांचवे जन्मदिन के बाद शुरू की। 8 साल की रोरी अपने प्रतियोगिता के दौरान नकली टैटू का इस्तेमाल करती हैं। इसके पीछे उनका यह मानना है कि यह देखने में कूल लगता है। वह हफ्ते के 9 घंटे जिम्नास्टिक की ट्रेनिंग करती हैं और 4 घंटे सिर्फ वेट लिफ्टिंग करती हैं। रोरी को जिम्नास्टिक वेटलिफ्टिंग के कारण ही पसंद है। एक वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार उसने स्थानीय प्रतियोगिता में अपना पहला जिम्नास्टिक पदक जीतने के बाद कहा कि मैं जिमनास्टिक को वेटलिफ्टिंग के लिए पसंद करती हूं क्योंकि जिमनास्टिक में मुझे अपने सिर के ऊपर से कुछ भी नहीं उठाना पड़ेगा। रोरी के पिता कैवन का मानना है कि वह अपने वर्तमान सिनक्लेयर स्कोर के आधार पर रोरी न केवल दुनिया में सबसे मजबूत सात वर्षीय लड़की हैं संभवतः सबसे मजबूत सात वर्षीय लड़की या लड़का भी है प्रतिस्पर्धात्मक परिणाम देखने के बाद हैं।

महाभारत का हुआ था जहां युद्ध उस कुरुक्षेत्र के रहस्य

कुरुक्षेत्र युद्ध कौरवों और पाण्डवों के मध्य कुरु साम्राज्य के सिंहासन की प्राप्ति के लिए कुरुक्षेत्र में युद्ध लड़ा गया था। आओ जानते हैं कुरुक्षेत्र के 5 रहस्य। कुरुक्षेत्र भारतीय राज्य हरियाणा का एक क्षेत्र है।

छोटे भाई का वध

मान्यता अनुसार यह कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण को डर था कि भाई-भाइयों के, गुरु-शिष्यों के व संबंधी कुटुंबियों के इस युद्ध में एक दूसरे को मरते देखकर कहीं ये संधि न कर बैठें। इसलिए ऐसी भूमि युद्ध के लिए चुनने का फैसला लिया गया जहां क्रोध और द्वेष के संस्कार पर्याप्त मात्रा में हों। तब श्रीकृष्ण ने कई दूत अनेकों दिशाओं में भेजे और उन्हें वहां की घटनाओं का जायजा लेने को कहा। एक दूत ने सुनाया कि कुरुक्षेत्र में बड़े भाई ने छोटे भाई को खेत की मेंड़ टूटने पर बहते हुए वर्षा के पानी को रोकने के लिए कहा। उसने साफ इनकार कर दिया। इस पर बड़ा भाई आग बबूला हो गया। उसने छोटे भाई को छुरे से गोद डाला और उसकी लाश को पैर पकड़कर घसीटता हुआ उस मेंड़ के पास ले गया और जहां से पानी निकल रहा था वहां उस लाश को पानी रोकने के लिए लगा दिया। इस कहानी को सुनकर श्रीकृष्ण ने तय किया कि यही भूमि भाई-भाई के युद्ध के लिए उपयुक्त है। जब श्रीकृष्ण आश्वस्त हो गए कि इस भूमि के संस्कार यहां पर भाइयों के युद्ध में एक दूसरे के प्रति प्रेम उत्पन्न नहीं होने देंगे तब उन्होंने युद्ध कुरूक्षेत्र में करवाने की घोषणा की।

कुरु का क्षेत्र

दूसरी कहानी अनुसार कहते हैं कि जब कुरु इस क्षेत्र की जुताई कर रहे थे तब इन्द्र ने उनसे जाकर इसका कारण पूछा। कुरु ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस स्थान पर मारा जाए, वह पुण्य लोक में जाए, ऐसी मेरी इच्छा है। इन्द्र उनकी बात को हंसी में उड़ाते हुए स्वर्गलोक चले गए। ऐसा अनेक बार हुआ। इन्द्र ने अन्य देवताओं को भी ये बात बताई। देवताओं ने इन्द्र से कहा कि यदि संभव हो तो कुरु को अपने पक्ष में कर लो। तब इन्द्र ने कुरु के पास जाकर कहा कि कोई भी पशु, पक्षी या मनुष्य निराहार रहकर या युद्ध करके इस स्थान पर मारा जायेगा तो वह स्वर्ग का भागी होगा। ये बात भीष्म, कृष्ण आदि सभी जानते थे, इसलिए महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र में लड़ा गया।

श्रवण कुमार की कहानी

मातृ और पितृ भक्त श्रवण कुमार की कहानी तो आपने सुनी ही होगी। श्रवण कुमार जैसे पितृभक्त खोजना मुश्किल है। वे अपने अंधे माता-पिता की सेवा पूरी तत्परता से करते थे, उन्हें किसी प्रकार का कष्ट नहीं होने देते थे। एक बार माता-पिता ने तीर्थ यात्रा की इच्छा की और वे उन्हें कांवर में बिठाकर तीर्थ यात्रा को चल दिए। बहुत से तीर्थ करा लेने पर एक दिन अचानक उसके मन में यह भाव आया कि पिता-माता को पैदल क्यों न चलाया जाए? उन्होंने कांवर जमीन पर रख दी और उन्हें पैदल चलने को कहा। अंधे माता और पिता पैदल चलने तो लगे पर उन्होंने साथ ही यह भी कहा- बेटा इस भूमि को जितनी जल्दी हो सके पार कर लेना चाहिए। वे तेजी से चलने लगे जब वह भूमि निकल गई तो श्रवणकुमार को माता-पिता के साथ इस तरह का व्यवहार करने पर बड़ा पश्चाताप हुआ और उसने पैरों में गिरकर क्षमा मांगी तथा फिर से दोनों को कांवर में बिठा लिया। उनके अंधे पिता ने कहा- पुत्र इसमें तुम्हारा दोष नहीं। उस भूमि पर किसी समय मय नामक एक असुर रहता था उसने जन्मते ही अपने ही पिता-माता को मार डाला था, उसी के संस्कार उस भूमि में अभी तक बने हुए हैं इसीसे उस क्षेत्र में गुजरते हुए तुम्हें ऐसी बुद्धि उपजी।

कुरुक्षेत्र का महत्व

महाभारत के वनपर्व के अनुसार, कुरुक्षेत्र में आकर सभी लोग पापमुक्त हो जाते हैं और जो ऐसा कहता है कि मैं कुरुक्षेत्र जाऊंगा और वहीं निवास करुंगा। यहां तक कि यहां की उड़ी हुई धूल के कण पापी को परम पद देते हैं। नारद पुराण में आया है कि ग्रहों, नक्षत्रों एवं तारागणों को कालगति से (आकाश से) नीचे गिर पड़ने का भय है, किन्तु वे, जो कुरुक्षेत्र में मरते हैं पुनः पृथ्वी पर नहीं गिरते, अर्थात वे पुनःजन्म नहीं लेते। भगवद्गीता के प्रथम श्लोक में कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र कहा गया है।

कुरुक्षेत्र के क्षेत्र

यहां एक विशाल तालाब है जिसका निर्माण महाभारत काल में ही हुआ था। यहां एक ज्योतिसर नामक स्थान हैं जहां पर श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। यहां पर ब्रह्मसरोवर, सन्निहित सरोवर, भद्रकाली मन्दिर, पिहोवा और श्री स्थानेश्वर महादेव मन्दिर व पूण्डरी नामक स्थान प्रसिद्ध है।

महाभारत में व्यूह रचना कितने प्रकार की थी?

महाभारत में आपने सिर्फ चक्रव्यूह का ही नाम सूना होगा। लेकिन महाभारत के युद्ध में कई प्रकार की व्यू रचना का उल्लेख मिलता है। युद्ध को लड़ने के लिए पक्ष या विपक्ष अपने हिसाब से व्यूह रचना करता था। व्यूह रचना का अर्थ है कि किस तरह सैनिकों को सामने खड़ा किया जाए। आसमान से देखने पर यह व्यूह रचना दिखाई देती है। जैसे क्रौंच व्यूह है, तो आसमान से देखने पर क्रौंच पक्षी की तरह सैनिक खड़े हुए दिखाई देंगे। इसी तरह चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। आओ जानते हैं कुछ खास व्यूह रचना के बारे में।

गरुड़ व्यूह : गरुड़ पक्षी का चित्र तो देखा ही होगा आपने। यह विशालकाय पक्षी भगवान विष्णु का वाहन है। युद्ध में सैनिकों को विपक्षी सेना के सामने इस तरह पंक्तिबद्ध खड़ा किया जाता है कि जिससे आसमान से देखने पर गरुढ़ पक्षी जैसी आकृति दिखाई दे। इसे ही गरुड़ व्यूह कहते हैं। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी।

क्रौंच व्यूह : क्रौंच सारस की एक प्रजाति है। इस व्यूह का आकार इसी पक्षी की तरह होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना युधिष्ठिर ने की थी।

मकरव्यूह : प्राचीन काल में मकर नाम का एक जलचर प्राणी होता है। मकर का सिर तो मगरमच्छ की तरह लेकिन उसके सिर पर बकरी के सींगों जैसे सींग होते थे, मृग और सांप जैसा शरीर, मछली या मोर जैसी पूंछ और पैंथर जैसे पैर दर्शाए भी होते थे। वैदिक साहित्य में अक्सर तिमिंगिला और मकर का साथ-साथ जिक्र होता है। लेकिन संभवतः यहां व्यूह रचना से तात्पर्य मगर से होगा मकर से नहीं। महाभारत में इस व्यूह की रचना कौरवों ने की थी। ›

कछुआ व्यूह : इसमें सेना को कछुए की तरह जमाया जाता है।

अर्धचंद्राकार व्यूह : अर्ध चंद्र का अर्थ तो आप समझते ही हैं। सैन्य रचना जब अर्ध चंद्र की तरह होती थी तो उसे अर्धचंद्राकार व्यूह रचना कहते थे। इस व्यूह की रचना अर्जुन ने कौरवों के गरुड़ व्यूह के प्रत्युत्तर में की थी।

मंडलाकार व्यूह : मंडल का अर्थ गोलाकार या चक्राकार होता है। इस व्यूह का गठन परिपत्र रूप में होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी। इसके प्रत्युत्तर में पांडवों ने व्रज व्यूह की रचना कर इसे भेद दिया था।

चक्रव्यूह : चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। इस चक्रव्यूह को देखने पर इसमें अंदर जाने का रास्ता तो नजर आता है, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता नजर नहीं आता। आपने स्पाइरल देखा होगा बस उसी तरह का यह होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना गुरु द्रोण ने की थी।

चक्रशकट व्यूह : महाभारत युद्ध में अभिमन्यु की निर्मम हत्या के बाद अर्जुन ने शपथ ली थी कि जयद्रथ को कल सूर्यास्त के पूर्व मार दूंगा। तब गुरु द्रोणाचार्य ने जयद्रथ को बचाने के लिए इस व्यूह की रचना की थीं। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण की चतुराई से जयद्रथ उस व्यूह से निकलकर बाहर आ गया और मारा गया।

वज्र व्यूह : वज्र एक तरह का हथियार होता है। ये दो प्रकार का होता था- कुलिश और अशानि। इसके ऊपर के तीन भाग तिरछे-टेढ़े बने होते हैं। बीच का हिस्सा पतला होता है। पर यह बड़ा वजनदार होता है। इसका आकार देखने में इन्द्रदेव के वज्र जैसा होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना अर्जुन ने की थी।

औरमी व्यूह : पांडवों के व्रज व्यूह के प्रत्युत्तर में भीष्म ने औरमी व्यूह की रचना की थी। इस व्यूह में पूरी सेना समुद्र के समान सजाई जाती थी। जिस प्रकार समुद्र में लहरें दिखाई देती हैं, ठीक उसी आकार में कौरव सेना ने पांडवों पर आक्रमण किया था।

श्रीन्गातका व्यूह : कौरवों के औरमी व्यूह के प्रत्युत्त में अर्जुन ने श्रीन्गातका व्यूह की रचना की थी। ये व्यूह एक भवन के समान दिखाई देता था। संभवतः इसे ही तीन शिखरों वाला व्यूह कहते होंगे।.इसके अलावा सर्वतोभद्र और सुपर्ण व्यूह का उल्लेख भी मिलता है।

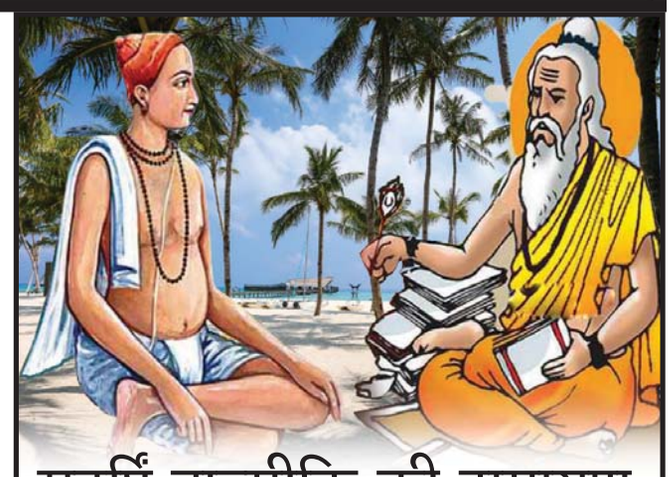

महर्षि वाल्मीकि की रामायण और गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस के उत्तर कांड में फर्क क्यूं?

रामायण या रामचरित मानस के उत्तर कांड के संबंध में बहुत लोगों को इस बात का संशय है कि इसमें घटनाओं का वर्णन वैसा नहीं है जैसा कि शोधकर्ता मानते हैं। रामायण और रामचरित मानस दोनों ही का उत्तर कांड बहुत ही भिन्न है। ऐसा क्यों? यह शोध का विषय हो सकता है। रामानंद सागर द्वारा उत्तर कांड के नाम से उत्तर रामायण नाम का सीरियल बनाया गया है। आओ जानते हैं दोनों ही रामायण के काण्ड का फर्क।

वाल्मीकि कृत रामायण का उत्तर कांड

उत्तरकाण्ड में राम के राज्याभिषेक के अनन्तर कौशिकादि महर्षियों का आगमन, महर्षियों के द्वारा राम को रावण के पितामह, पिता तथा रावण का जन्मादि वृत्तान्त सुनाना, सुमाली तथा माल्यवान के वृत्तान्त, रावण, कुम्भकर्ण, विभीषण आदि का जन्म-वर्णन, रावणादि सभी भाइयों को ब्रह्मा से वरदान-प्राप्ति, रावण-पराक्रम-वर्णन के प्रसंग में कुबेरादि देवताओं का घर्षण, रावण सम्बन्धित अनेक कथाएँ, सीता के पूर्वजन्म रूप वेदवती का वृत्तान्त, वेदवती का रावण को शाप, सहस्त्रबाहु अर्जुन के द्वारा नर्मदा अवरोध तथा रावण का बन्धन, रावण का बालि से युद्ध और बालि की कांख में रावण का बन्धन, सीता-परित्याग, सीता का वाल्मीकि आश्रम में निवास, निमि, नहुष, ययाति के चरित, शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर वध, शंबूक वध तथा ब्राह्मण पुत्र को जीवन प्राप्ति, भार्गव चरित, वृत्रासुर वध प्रसंग, किंपुरुषोत्पत्ति कथा, राम का अश्वमेध यज्ञ, वाल्मीकि के साथ राम के पुत्र लव कुश का रामायण गाते हुए अश्वमेध यज्ञ में प्रवेश, राम की आज्ञा से वाल्मीकि के साथ आयी सीता का राम से मिलन, सीता का रसातल में प्रवेश, भरत, लक्ष्मण तथा शत्रुघ्न के पुत्रों का पराक्रम वर्णन, दुर्वासा-राम संवाद, राम का सशरीर स्वर्गगमन, राम के भ्राताओं का स्वर्गगमन, तथा देवताओं का राम का पूजन विशेष आदि वर्णित है।

तुलसीदास गोस्वामी कृत रामचरितमानस का उत्तर कांड

इसमें मंगलाचरण, भरत विरह तथा भरत-हनुमान मिलन, अयोध्या में आनंद, श्री रामजी का स्वागत, भरत मिलाप, सबका मिलनानन्द, राम राज्याभिषेक, वेदस्तुति, शिवस्तुति, वानरों की और निषाद की विदाई, रामराज्य का वर्णन, पुत्रोत्पति, अयोध्याजी की रमणीयता, सनकादिका आगमन और संवाद, हनुमानजी के द्वारा भरतजी का प्रश्न और श्री रामजी का उपदेश, श्री रामजी का प्रजा को उपदेश (श्री रामगीता), पुरवासियों की कृतज्ञता, श्री राम-वशिष्ठ संवाद, श्री रामजी का भाइयों सहित अमराई में जाना, नारदजी का आना और स्तुति करके ब्रह्मलोक को लौट जाना, शिव-पार्वती संवाद, गरुड़ मोह, गरुड़जी का काकभुशुण्डि से रामकथा और राम महिमा सुनना, काकभुशुण्डि का अपनी पूर्व जन्म कथा और कलि महिमा कहना, गुरुजी का अपमान एवं शिवजी के शाप की बात सुनना, रुद्राष्टक, गुरुजी का शिवजी से अपराध क्षमापन, शापानुग्रह और काकभुशुण्डि की आगे की कथा, काकभुशुण्डिजी का लोमशजी के पास जाना और शाप तथा अनुग्रह पाना, ज्ञान-भक्ति-निरुपण, ज्ञान-दीपक और भक्ति की महान महिमा, गरुड़जी के सात प्रश्न तथा काकभुशुण्डि के उत्तर, भजन महिमा, रामायण माहात्म्य, तुलसी विनय और फलस्तुति और रामायणजी की आरती का वर्णन मिलता है। वाल्मीकि कृत उत्तर कांड में राम के रावण वध की आगे की गाथा का वर्णन है, जिसमें राम का राज्याभिषेक, सीता परित्याग, वाल्मीकि आश्रम में लव और कुश का जन्म, बचपन और सीता का जीवन। शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर का वध और इसके अलावा पूर्व के ऋषि मुनियों और राजाओं की गाथा का वर्णन मिलेगा। दूसरी ओर गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस में शिव और पार्वती का रामकथा के संबंध में संवाद, काकभुशुण्डि और गरुढ़ संवाद सहित ज्ञान और उपदेश की बातें ही ज्यादा हैं। इसमें सीता परित्याग और लव एवं कुश के बारे में उल्लेख नहीं मिलता है। विद्वान लोग मानते हैं कि ऋषि वाल्मीकि राम के समकालीन थे और गोस्वामी तुलसीदास राम के भक्त थे। यदि प्रमाण की बात सामने आए तो वाल्मीकि रामायण को ही प्रमाण मानना चाहिए, क्योंकि वही सही रामायण है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस को लिखने के पूर्व वाल्मीकि कृत रामायण सहित दक्षिण भारत की रामायण को भी पढ़ा था। अतः उन्होंने सभी को पढ़कर लिखा जबकि वाल्मीकि ने राम के जीवन को देखकर रामायण को लिखा था।

अश्वमेध यज्ञ क्या होता है, खास बातें

अश्वमेध यज्ञ को कुछ विद्वान एक राजनीतिक और कुछ विद्वान इसे आध्यात्मिक प्रयोग मानते हैं। कहा जाता है कि इसे वही सम्राट कर सकता था, जिसका अधिपत्य अन्य सभी नरेश मानते थे। कालांतर में यह यज्ञ जो नरेश जिस समाज से संबंध रखता था उस समाज की रीति के अनुसार करता था। इसके कारण इस यज्ञ को करने में कई बुरी परंपराएं भी जुड़ गई। वैदिक रीति से किया गया यज्ञ ही धर्मसम्मत माना गया है। यज्ञ का प्रारम्भ बसन्त अथवा ग्रीष्म में होता था तथा इसके पूर्व प्रारम्भिक अनुष्ठानों में प्रायः एक वर्ष का समय लगता था। इस बीच नगर में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्सव होते थे। यज्ञ करने के बाद अश्व को स्वतन्त्र विचरण करने के लिए छोड़ दिया जाता था। जिसके पीछे यज्ञकर्ता राजा की सेना होती थी। जब यह अश्व दिग्विजय यात्रा पर जाता था तो स्थानीय लोग इसके पुनरागमन की प्रतिक्षा करते थे। इस अश्व के चुराने या इसे रोकने वाले नरेश से युद्ध होता था। यदि यह अश्व खो जाता तो दूसरे अश्व से यह क्रिया पुनः आरम्भ की जाती थी। कहते हैं कि अश्वमेध यज्ञ ब्रह्म हत्या आदि पापक्षय, स्वर्ग प्राप्ति एवं मोक्ष प्राप्ति के लिए भी किया जाता था। कुछ विद्वान मानते हैं कि अश्वमेध यज्ञ एक आध्यात्मिक यज्ञ है जिसका संबंध गायत्री मंत्र से जुड़ा हुआ है। श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं कि 'अश्व' समाज में बढ़े पैमाने पर बुराइयों का प्रतीक है और 'मेधा' सभी बुराइयों और अपनी जड़ों से दोष के उन्मूलन का संकेत है। जहां भी इन अश्वमेध यज्ञ का प्रदर्शन किया गया है, उन क्षेत्रों में अपराधों और आक्रामकता की दर में कमी का अनुभव किया है। अश्वमेध यज्ञ पारिस्थितिकी संतुलन के लिए और आध्यात्मिक वातावरण की शुद्धि के लिए गायत्री मंत्र से जुड़ा है। गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद अश्वमेध प्रायः बन्द ही हो गया।

क्या कर्ण के वैवस्वत मनु यमराज और शनिदेव भाई थे?

हिन्दू पुराण और महाभारत में कई रहस्य छिपे हुए हैं। उन्हें जानना और समझने बहुत ही कठिन है। पुराणों के जानकार मानते हैं कि वैवस्वत मनु, यमराज और शनिदेव और महाभारत के कर्ण भाई भाई थे।

वैवस्वत मनु और यमराज

विश्वकर्मा की पुत्री संज्ञा विवस्वान अर्थात सूर्य की पत्नी हुई। उसके गर्भ से सूर्य ने तीन संतानें उत्पन्न की। जिनमें एक कन्या और दो पुत्र थे। सबसे पहले प्रजापति श्राद्धदेव, जिन्हें वैवस्वत मनु कहते हैं, उत्पन्न हुए। तत्पश्चात यम और यमुना- ये जुड़वीं संतानें हुईं।

शनिदेव

भगवान सूर्य की तूसरी पत्नी छाया थीं। छाया को संज्ञा की छाया ही माना जाता था। छाया से ही शनिदेव का जन्म हुआ था।

कर्ण : सूर्य पुत्र कर्ण को महाभारत का एक महत्वपूर्ण योद्धा माना जाता है। कर्ण के धर्मपिता तो पांडु थे, लेकिन पालक पिता अधिरथ और पालक माता राधा थी। राजा शूरसेन की पुत्री कुंती अपने महल में आए महात्माओं की सेवा करती थी। एक बार वहां ऋषि दुर्वासा भी पधारे। कुंती की सेवा से प्रसन्न होकर दुर्वासा ने कहा, 'पुत्री! मैं तुम्हारी सेवा से अत्यंत प्रसन्न हुआ हूं अतः तुझे एक ऐसा मंत्र देता हूं जिसके प्रयोग से तू जिस देवता का स्मरण करेगी वह तत्काल तेरे समक्ष प्रकट होकर तेरी मनोकामना पूर्ण करेगा।' इस तरह कुंती को वह मंत्र मिल गया। एक दिन कुंती के मन में आया कि क्यों न इस मंत्र की जांच कर ली जाए। कहीं यह यूं ही तो नहीं? तब उन्होंने एकांत में बैठकर उस मंत्र का जाप करते हुए सूर्यदेव का स्मरण किया। उसी क्षण सूर्यदेव प्रकट हो गए। कुंती हैरान-परेशान अब क्या करें?

सूर्यदेव ने कहा, 'देवी! मुझे बताओ कि तुम मुझसे किस वस्तु की अभिलाषा करती हो। मैं तुम्हारी अभिलाषा अवश्य पूर्ण करूंगा।' इस पर कुंती ने कहा, 'हे देव! मुझे आपसे किसी भी प्रकार की अभिलाषा नहीं है। मैंने मंत्र की सत्यता परखने के लिए जाप किया था।' कुंती के इन वचनों को सुनकर सूर्यदेव बोले, 'हे कुंती! मेरा आना व्यर्थ नहीं जा सकता। मैं तुम्हें एक अत्यंत पराक्रमी तथा दानशील पुत्र देता हूं।' इतना कहकर सूर्यदेव अंतर्ध्यान हो गए।

कर्ण के अन्य भाई

कुंति पुत्र कर्ण एक महान योद्ध था जो कौरवों की ओर से लड़ा था। कुंती श्रीकृष्ण के पिता वसुदेव की बहन और भगवान कृष्ण की बुआ थीं। कुंति का पुत्र होने के कारण कर्ण भगवान श्री कृष्ण का भाई था। इसके अलावा पांचों पांडव भी कर्ण के भाई ही थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नाइजीरिया में स्कूल पर हमला, सुरक्षाकर्मियों की हत्या कर 400 बच्चों का अपहरण

अबुजा:

नाइजीरिया के उत्तरी कातसिना प्रांत में कुछ अज्ञात हथियारबंद लोगों ने एक स्कूल पर हमला कर करीब 400 बच्चों का अपहरण कर लिया है। नाइजीरिया के वैनगार्ड नामक समाचार पत्र ने अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। घटना शुक्रवार की है जब कंकारा सरकारी माध्यमिक विद्यालय पर कुछ हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया। स्कूल के सुरक्षाकर्मियों की हत्या करने के बाद बंदूकधारी स्कूल परिसर में घुस गए। हमले के समय 800 से अधिक बच्चे स्कूल में मौजूद थे। बंदूकधारियों ने कितने बच्चों का अपहरण किया है, इस बारे में अब तक कोई स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाई है। हमले के दौरान बड़ी संख्या में स्कूल के बच्चे आस-पास के इलाकों में छिप गए। शिक्षा आयुक्त बादमासी चारांची ने बताया कि 406 बच्चे सुरक्षित लौट चुके हैं जबकि अन्य लापता बच्चों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। अधिकारी के मुताबिक ये बच्चे पूरी रात आस-पास की झाड़ियों में छिपे रहे और सुबह होने के बाद अपने-अपने घरों को लौटे। नाइजीरिया पुलिस, सेना और वायु सेना भी लापता बच्चों का पता लगाने के लिए स्कूल प्रशासन के साथ

मिलकर काम कर रही है। नाइजीरिया के राष्ट्रपति मुहम्मद बुहारी ने इस हमले की निंदा करते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

ट्रंप का क्रेज बरकरार: चुनाव नतीजों के खिलाफ रैलियों में पुलिस से भिड़े समर्थक, 23 गिरफ्तार

वाशिंगटन।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों के खिलाफ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोशिशों के समर्थन में हजारों लोगों ने वाशिंगटन में रैलियां कीं। इस दौरान पुलिस ने कम से कम 23 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। फॉक्स 5 डीसी ने मेयर मुरिएल बॉसेर की रिपोर्ट के अनुसार इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई जिसमे कम से कम आठ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है । घायलों में दो विधि प्रवर्तन अधिकारी भी शामिल हैं। राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन ने जीत हासिल की है। न्यूयॉर्क के वेस्ट प्वाइंट में थलसेना-नौसेना के बीच फुटबाल मैच देखने के लिए जा रहे ट्रंप का मरीन वन हेलीकॉप्टर एक रैली के ऊपर से गुजरा, जिसके देखकर उनके समर्थक उत्साहित हो गए। इन रैलियां में ट्रंप के अधिकतर समर्थकों ने मास्क नहीं पहना था। ऐसा माना जा रहा है कि बाइडन को 46वें राष्ट्रपति के तौर पर औपचारिक रूप से निर्वाचित करने के लिए 'इलेक्ट्रॉरल कॉलेज' की बैठक से मात्र दो दिन पहले अपनी ताकत दिखाने के लिए ये रैलियां की जा रही हैं। ट्रंप का कार्यकाल 20 जनवरी को समाप्त होगा, लेकिन उन्होंने हाल में हुए चुनाव में बाइडेन से हार स्वीकार नहीं की है और चुनाव में ''धोखाधड़ी के निराधार'' आरोप लगाए हैं, जिन्हें विभिन्न अदालतों ने खारिज कर दिया है। ट्रंप ने रैलियों को लेकर हैरानी जताते हुए

शनिवार सुबह कहा, ''वाह, धोखाधड़ी को रोकने के लिए वाशिंगटन (डी.सी.) में हजारों लोग एकत्र हो रहे हैं। मुझे इसकी जानकारी नहीं थी, लेकिन मैं उनसे मुलाकात करूंगा।''

ट्रंप जाएं या बाइडेन आएं ईरान को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों से नहीं मिलेगी राहत: मोहसेन रेजाई

तेहरान:

ईरान की **Advisory Council** के सचिव के सचिव ने का कहना है कि ईरान को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से अगले पांच वर्षों तक कोई भी राहत नहीं मिलने वाली है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका में चाहे डोनाल्ड ट्रंप रहें या जो बाइडेन राष्ट्रपति बन जाएं, इस स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं आने वाला है। ईरान की सलाहकार परिषद के सचिव मोहसेन रेजाई ने मार्च 2021 में पेश होने वाले बजट के मसौदे को संसद के सामने रखते हुए कहा कि प्रतिबंध के लंबे चलने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही हमें अपनी मजबूत आर्थिक स्थिति के लिए कार्य करना होगा। बजट की योजना भी उसी के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि संसद में बजट पर दो बातों पर ध्यान दिया जाएगा। एक तो जनता का निवेश ज्यादा से ज्यादा हो और गरीबी दूर हो सके। पूर्व में राष्ट्रपति हसन रूहानी कह चुके हैं कि हमने हर रोज 2.3 बिलियन बैरल प्रतिदिन तेल बिक्री की योजना में इस बात का विचार नहीं किया है कि प्रतिबंध के संबंध में अन्य देशों से भविष्य में क्या बात होगी। सुप्रीम नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार, रेजाई ने कहा कि ट्रंप और बिडेन दोनों का इरादा 'ईरान के लोगों पर दबाव' बनाने के लिए आर्थिक प्रतिबंधों का उपयोग जारी रखना है। ऐसे में बजट को इस तरह से प्रतिरोधी अर्थव्यवस्था सिद्धांत के अनुसार और ईरानी संविधान के अनुच्छेद 44 के आधार पर तैयार किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा उम्मीद है कि संसद बजट बिल में संशोधन करके दो कारकों को लागू करेगी। इसमें निवेश में लोगों की भागीदारी को आकर्षित करना और गरीबी को दूर करना शामिल होगा। आर्टिकल 44 की 2005 में एक्सपेडेंशियल डिसबर्नेशन काउंसिल और ईरान के सुप्रीम लीडर द्वारा निजी क्षेत्र में राज्य कंपनियों के हस्तांतरण के लिए अनुमति देने के लिए संशोधित की गई थी।

हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक मीडिया टायकून जिमी लाई को नहीं मिली जमानत

इंटरनेशनल डेस्क:

हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक व मीडिया टायकून जिमी लाई (73) को शनिवार को कोर्ट ने जमानत देने से इन्कार कर दिया । एक दिन पहले उन पर नए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत आरोप लगाए गए थे। जिमी लाई टेबलॉयड 'द एप्पल डेली' के संस्थापक हैं और उन पर विदेशी शक्तियों के साथ गठबंधन के संदेह और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप हैं। बता दें कि स्थानीय समयानुसार शनिवार सुबह ही अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने ट्वीट करके कहा था कि नया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून न्याय का मजाक है। पोंपियो ने लाई की रिहाई का आह्वान करते हुए कहा कि उनका एकमात्र अपराध यह है कि वह चीन की अधिनायकवादी कम्युनिस्ट पार्टी सरकार के बारे में सच बोल रहे हैं। टेबलॉयड 'द एप्पल डेली' के मुताबिक लाई के मामले को अभियोजन पक्ष के अनुरोध पर 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। अभियोजन पक्ष ने कहा कि पुलिस को लाई के ट्विटर अकाउंट से किए गए एक हजार ट्वीट की जांच करने के लिए समय चाहिए। अखबार के मुताबिक उनकी चार्जशीट में उन विदेशी राजनीतिज्ञों का भी जिक्र है जो उन्हें न केवल ट्विटर पर फॉलो करते हैं बल्कि उनके लेखों और साक्षात्कार पर टिप्पणी करते हैं। लाई पर अनधिकृत विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने और आफिस लीज की शर्तों के कथित उल्लंघन में धोखाधड़ी का भी आरोप लगाया गया है। लाई अन्य देशों से चीन के खिलाफ कठोर रुख अपनाने की वकालत करते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले पूर्व सांसद सिक्सटस बागियो लेउंग चुंग हेंग हांगकांग छोड़कर चले गए हैं। फिलहाल वे अमेरिका में हैं और हांगकांग के लोगों को शरण देने के लिए वाशिंगटन पर दबाव डालने का काम करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क में प्रदर्शनकारियों के बीच घुसी कार, 6 घायल

न्यूयॉर्क। अमेरिका की न्यूयॉर्क सिटी में प्रदर्शनकारियों की भीड़ में एक कार जा घुसी, जिससे 6 प्रदर्शनकारी घायल हो गए। घटना के बाद कार की चालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि कैथलीन कासिल्ला (52) को अदालत में पेश होने का नोटिस दिया गया, इसके बाद उसे रिहा कर दिया गया। घटनास्थल के पास से गुजर रहे एक व्यक्ति ने वीडियो बनाया है, जिसमें दिख रहा है कि मैनहट्टन में शाम करीब चार बजे एक काली बीएमडब्ल्यू सिडान प्रदर्शनकारियों की भीड़ में जा घुसी। वीडियो बनाने वाले टॉम एला ने कहा कि उसने इंजन की आवाज सुनी और कार की गति बढ़ते देखी। उन्होंने कहा कि कार का लोगों को टक्कर मारते देखना बहुत भयावह था। प्रदर्शनकारी साफिया विकरमैन ने कहा कि लोग और एक साइकिल हवा में उछल गई। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी जान को कोई खतरा नहीं है। पुलिस ने बताया कि एक अन्य प्रदर्शनकारी महिला मैनहट्टन निवासी निकोल बेसुदेन (32) को घटनास्थल पर एंबुलैंस कर्मियों के काम में हस्तक्षेप करने के लिए गिरफ्तार किया। उसे भी अदालत में पेश होने का नोटिस दिए जाने के बाद रिहा कर दिया गया।

ब्रिटेन ने पूर्व पाकिस्तानी पुलिस अधिकारी पर लगाया प्रतिबंध, संपत्ति फ्रीज की

लंदन: अमेरिका के बाद अब ब्रिटेन ने भी सेवानिवृत्त पाकिस्तानी पुलिस अधिकारी राव अनवर अहमद खान पर यात्रा प्रतिबंध लगाते हुए उनकी संपत्ति को फ्रीज कर दिया है। इससे पहले राव अनवर को मानवाधिकार के गंभीर उल्लंघन के मामले में अमेरिका ब्लैक लिस्ट कर चुका है। पाकिस्तान **(Pakistan)** के सिंध प्रांत के मलिर जिले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के रूप में अपनी सेवा दे चुके इनकाउंटर स्पेशिलस्ट पर न्याय के नाम पर हत्याएं करने का आरोप है। मलिर में एसएसपी के तौर पर अपने कार्यकाल में अनवर लगातार फर्जी पुलिस मुठभेड़ों को अंजाम देने के लिए जिम्मेदार है, जिनमें कई लोग मारे गए। उन पर वसूली, भूमि-अधिग्रहण, मादक पदार्थ की तस्करी और हत्या का भी आरोप है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अनवर ने पाकिस्तान में 190 से अधिक मुठभेड़ों को अंजाम दिया, जिसमें 400 से अधिक लोग मारे गए थे । इनमें से अधिकतर न्याय के नाम पर की गई हत्याएं थी।

पत्रकारिता के लिए पाकिस्तान नहीं सुरक्षित देश, 1990 से अब तक हो चुकी 138 पत्रकारों की हत्या

इंटरनेशल डेस्क:

दुनिया भर में आंतकवाद की शरणस्थली के तौर पर बदनाम पाकिस्तान समेत पांच ऐसे देश हैं जो पत्रकारिता के लिहाज से काफी खतरनाक व असुरक्षित हैं । यह चौंकाने वाला खुलासा किया है इंटरनेशल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स **(IFJ)** ने व्हाइट पेपर ऑन ग्लोबल जर्नलिज्म में । **IFJ** ने पाकिस्तान समेत पांच ऐसे देशों के नाम जारी किए हैं जो पत्रकारिता के लिए सबसे असुरक्षित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 1990 से 2020 के बीच पाकिस्तान में 138 पत्रकारों की हत्या के मामले सामने आ चुके हैं जबकि डॉन के मुताबिक इस अवधि में 2,658 पत्रकार ड्यूटी पर अपनी जान गंवा चुके हैं। इस सूची में सबसे ऊपर इराक है जहां 340 पत्रकारों की हत्या हुई है। इसके बाद मेक्सिको में 178, फिलीपींस में 178 पत्रकारों की हत्या हुई जबकि पाकिस्तान इस सूची में तीसरे नंबर पर है। इस साल **IFJ** ने 15 देशों में 24 पत्रकारों की हत्या के मामले दर्ज किए हैं। पत्रकारों की हत्या के सर्वाधिक मामलों में इस साल लगातार चौथी बार मेक्सिको शीर्ष पर है। पांच सालों में यहां 13 पत्रकार मारे गए जबकि पाकिस्तान में 5 तथा अफगानिस्तान, इराक, नाइजीरिया में तीन-तीन पत्रकारों की हत्या के मामले दर्ज हुए हैं। ईरान ने तो 2017 के दौरान देश में हुए प्रदर्शनों को हवा देने के आरोप में एक पत्रकार को फांसी दे दी पत्रकार रूहुल्ला जम के ऑनलाइन कामों से 2017 में आर्थिक स्थिति को लेकर हुए प्रदर्शनों को हवा देने में मदद मिली थी। ईरान की सरकारी टीवी ने कहा कि जम को शनिवार की सुबह फांसी दी गई। जून में जम को एक अदालत ने मौत की सजा सुनाते हुए उन्हें धरती पर फसाद का दोषी ठहराया था। इस वर्ष इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स **(IFJ)** ने 15 देशों में 24 पत्रकारों की हत्या के मामले दर्ज किए हैं। सबसे ज्यादा पत्रकारों की हत्या के मामलों में इस साल लगातार चौथी बार मेक्सिको टॉप पर है। पांच सालों में यहां पर 13 पत्रकारों की हत्या के मामले दर्ज किए हैं। इस साल पाकिस्तान में 5, वहीं अफगानिस्तान, ईराक, नाइजीरिया में तीन-तीन पत्रकारों की हत्या के मामले दर्ज हुए हैं। वहीं फिलिपिंस, सोमालिया और सीरिया में 2-2 पत्रकारों की हत्या के मामले दर्ज हुए हैं। जबकि कैमरून, होंडुरास, पैराग्वे, रूस, स्वीडन और यमन में 1-1 पत्रकार की हत्या दर्ज हुई है।

अफगानिस्तान की राजधानी में विस्फोट से 2 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में रविवार को बम विस्फोट व मोर्टार हमले में 3 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार काबुल के पश्चिमोत्तर क्षेत्र खैर खाना इलाके में विस्फोट से दो लोगों की मौत हो गई तथा दो अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस प्रवक्ता फिरदौस फरामर्ज ने बताया कि काबुल के 15वें पुलिस जिले में विस्फोट हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह विस्फोट सांसद तौफीक वाहदत के वाहन को लक्षित करके किया गया। घटना में वाहदत को किसी तरह की क्षति नहीं पहुंची है क्योंकि घटना के समय वह कार में सवार नहीं थे। वाहदत ने बताया कि वह पूरी तरह सुरक्षित है लेकिन कार का चालक तथा एक गार्ड मारा गया। अभी तक किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। उधर, रविवार के हमलों के एक दिन पहले आईएस के आतंकवादियों के मोर्टार के गोले के हमले में एक नागरिक की मौत हो गई थी ।

Report: यूरोप में खालिस्तानी आतंकियों को पाल रहा पाकिस्तान, यूरोपीय सांसदों का भारत के खिलाफ कर रहा

इंटरनेशनल डेस्क:

यूरोप की उदारवादी नीतियों की आड़ में पाकिस्तान आंतिकयों के पोषण के लिए जमकर फायदा उठा रहा है। कनाडा की थिंक टैंक मैकडोनाल्ड-लॉरियर इंस्टीट्यूट की 'खालिस्तान- ए प्रोजेक्ट ऑफ पाकिस्तान' शीर्षक से जारी की गई रिपोर्ट ने दावा किया कि यूरोप की इसी अति उदारवाद की आड़ में पाकिस्तान भारत के खिलाफ खालिस्तानी आतंकवादियों का पोषण करने में लगा हुआ है। पाक के इन इरादों को ध्वस्त करने के लिए यूरोप के देशों के लिए यह बिल्कुल उचित समय है। इससे ज्यादा देरी होने पर समस्या पूरे यूरोप के लिए घातक होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान यूरोपीय सांसदों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ जहर उगलने में भी कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के भारत के खिलाफ इस उद्देश्य को पूरा करने में साथ दे रहे हैं यूके के लॉर्ड नजीर अहमद जो अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान को गुप्त सेवाएं दे रहे हैं और व्हाइटहॉल के गलियारों में घुसपैठ करवा रहे हैं । और दूसरे हैं यूरोपीय संघ-पाक मैत्री के अध्यक्ष चौधरी परवेज इकबाल लोसार । ये दोनों सांसद हर मच पर लगातार भारत के खिलाफ जहां जहर उगलते हैं वहीं पाकिस्तान की किसी भी तरह की आलोचना को चुप कराने का प्रयास करते हैं। थिंक टैंक की रिपोर्ट में बताया गया है कि पहला खालिस्तानी झंडा 1970 में बर्मिंघम में फहराया गया था। इससे ही यह संकेत मिलता है कि यूरोप पृथकतावादी आंदोलनों का केंद्र बिंदु बन गया है। ताजा स्थिति में पाकिस्तान इस आंदोलन की फंडिंग करते हुए हवा दे रहा है और सिख युवकों को गुमराह करते हुए अपने इरादे पूरे करने की कोशिश कर रहा है जो पूरे यूरोप के लिये चिंता करने की बात है। कनाडाई थिंक टैंक की रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नौ ऐसे आतंकवादियों की सूची जारी की थी जो विदेशी भूमि से भारत में आतंकवाद फैला रहे हैं। इनमें दो आतंकवादी भूपिन्दर सिंह भिंडा और गुरमीत सिंह बग्गा जर्मनी में बसे हुए हैं। सिख आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल का प्रमुख परमजीत सिंह ब्रिटेन में रह रहा है। बब्बर खालसा ने ही

1985 में एयर इंडिया की मांट्रियल-लंदन-दिल्ली जा रही फ्लाइट में बम विस्फोट किया था। जिसमें तीन सौ कनाडा, ब्रिटेन और भारतीय नागरिकों की मौत हो गई थी।

थिंक टैंक की रिपोर्ट में यूरोप को आगाह किया गया है कि खालिस्तानी आंदोलन को हवा देने वाले देश कनाडा कोउसका परिणाम भुगतना पड़ रहा है। इसलिए यूरोपीय देशों को कनाडा से सबक लेते हुए पाकिस्तान के एजेंडे को रोक देना चाहिए ।

पाकिस्तान में पुलिस स्टेशन के पास विस्फोट, 25 लोग घायल

पेशावर: पाकिस्तान में रविवार को रावलपिंडी में गंज मंडी पुलिस स्टेशन के पास हुए विस्फोट में 25 लोग घायल हो गए। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक अभी तक किसी ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाकिस्तान के अखबार द डान के अनुसार हमले में घायल हुए लोगों की संख्या 25 से अधिक भी हो सकती है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, यह ग्रेनेड अटैक था लेकिन सिटी पुलिस अधिकारी (सीपीओ) रावलपिंडी मोहम्मद अहसन यूनास ने कहा कि विस्फोट की प्रकृति का अभी तक पता नहीं लगाया जा सकता है। सीपीओ ने बताया कि 10 दिनों में एक पुलिस स्टेशन के पास दूसरा हमला था। 4 दिसंबर को पीर वधई पुलिस स्टेशन के पास एक विस्फोटक का उपयोग किया गया था। विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 7 अन्य लोग घायल हो गए थे ।

इसराईल में कड़ाके की ठंड में हजारों लोगों ने किया प्रदर्शन, PM नेतन्याहू से मांगा इस्तीफा

इंटरनेशनल डेस्क: इसराईल में भ्रष्टाचार और कोविड-19 महामारी के बढ़ते मामलों से नाराज हजारों लोगों ने देश के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। यहां प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास के बाहर करीब दो हजार लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। तेज ठंड के कारण प्रदर्शन कर रहे लोगों की संख्या हाल के दिनों में कम हुई है। प्रदर्शनकारी ''जाओ'' और ''कानून की नजर में सब बराबर हैं'' जैसे नारों वाली तख्तियां लिए थे। लोगों की मांग है कि भ्रष्टाचार के आरोप लगने के कारण नेतन्याहू को इस्तीफा देना चाहिए। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री ने लोगों का भरोसा खो दिया है, उन पर धोखाधड़ी और रिश्वत लेने के आरोप हैं और वह ठीक से देश नहीं चला पा रहे हैं। वहीं प्रधानमंत्री ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इंकार किया है। नेतन्याहू के खिलाफ ये मामले मीडिया दिग्गजों और अरबपति सहयोगियों से जुड़े घोटाले के कई मामलों से संबंधित हैं। प्रदर्शनों ने नेतन्याहू की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। देश में संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए तीसरी बार लॉकडाउन लग सकता है और इन सब से प्रधानमंत्री की लोकप्रियता में कमी आई है।

PDM रैलियों को रोकने के लिए घटिया हथकंडे अपना रही इमरान सरकार, मौलाना फजलुर के खिलाफ उठाया कदम

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में इमरान सरकार विपक्ष की रैलियों से बौखला गई है। आज 13 दिसंबर को होने वाली लाहौर की महारैली इमरान सरकार के लिए मुसीबत और विपक्षी दलों के लिए आर-पार की लड़ाई का सवाल बन गई है। रैली को रोकने के लिए भी सरकार सभी दावपेंच आजमा रही है। कोरोना महामारी की आड़ में इमरान सरकार ने नई गाइडलाइन जारी की है जिसके तहत अगले दो माह के लिए पांच से अधिक लोगों के जुटने, धरना, प्रदर्शन और साउंड सिस्टम पर रोक लगा दी गई है। रैली स्थल पर पानी भरवा दिया गया है। मीनार-ए-पाकिस्तान लॉन में भी पानी भरवा दिया गया है, जहां पर रविवार को रैली की जानी है। इस बीच सरकार ने विपक्षी दलों को वार्ता के लिए आमंत्रित किया है, लेकिन विपक्ष ने इसे ठुकरा दिया है।

PDM प्रमुख मौलाना रहमान के खिलाफ जांच शुरू

पाकिस्तान में रविवार को विपक्षी दलों के गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट **(PDM)** की सरकार विरोधी प्रस्तावित रैली से कुछ ही घंटे पहले राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो **(NAB)** ने मौलाना फजलुर रहमान के खिलाफ अवैध तरीके से कीमती जमीन खरीदने की जांच शुरू कर दी है। जियो न्यूज के मुताबिक, आरोप है कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने सामान्य परिवहन सेवा विभाग को बंद करने के बाद 64 कनाल जमीन जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फज्ल (जेयूआइ-एफ) के प्रमुख रहमान को दे दी। एनएबी सूत्रों ने बताया है कि 1.40 करोड़ रुपये कीमत की जमीन अवैध तरीके से महज 40 लाख रुपए में दी गई। लेकिन जांच के समय को लेकर जेयूआइ-एफ ने सवाल उठाए हैं।

सरकार के ताबूत में आखिरी कील होगी लाहौर रैली: बिलावल

उधर, पुलिस ने फिर दोहराया है कि रैली पर आतंकी हमला हो सकता है। इधर पीपीपी प्रमुख बिलावल भुट्टो ने कहा है कि लाहौर रैली में ताकत दिखाए जाने के बाद कठपुतली प्रधानमंत्री इमरान खान अकेले रह जाएंगे। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान में 11 दलों के विपक्षी संगठन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) की पांच रैली होने के बाद लाहौर की छठी रैली सरकार के ताबूत में आखिरी कील होगी। उन्होंने कहा कि सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र में जनता की भावनाओं के सामने ज्यादा समय तक गलत तरीकों से खड़ा नहीं हुआ जा सकता। लाहौर रैली से सरकार के विरोध में चल रहा हमारा अभियान का पहले चरण में समाप्त हो जाएगा। अभियान का दूसरा दौर शुरू होते ही सरकार का बोरिया विस्तार बंध जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हीरा कारोबारी ने अपनी ऑफीस में युवती से किया दुष्कर्म , दो आरोपी गिरफ्तार

सूरत शहर के वराछा क्षेत्र में डायमंड वर्ल्ड स्थित हीरा कारोबारी ने अपनी ऑफीस में नौकरी के लिए आई युवती को नशीला पेय पिलाकर उसका दुष्कर्म किया।

वराछा पुलिस ने इस मामले में हीरा कारोबारी के एक कर्मचारी और एक हीरा व्यापारी को गिरफ्तार कर लिया।

हांलाकि मुख्य आरोपी हीरा कारोबारी और उसका ड्राइवर अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

जानकारी के मुताबिक जामनगर के खंभालिया की मूल निवासी २२ वर्षीय एक युवती १ नवंबर को सूरत के वेलंजा गाम में रहनेवाली अपनी सहेली के घर आई थी।

७ नवंबर को युवती की सहेली ने उससे बताया कि वह वराछा स्थित हीरा व्यापारी वसंत पटेल के साथ नौकरी के लिए बातचीत करने के लिए जानेवाली है। युवती की सहेली ने वसंत पटेल को फोन कर दिया।

जिसके बाद वसंत पटेल का ड्राइवर कार लेकर दोनों युवतियों को लेने पहुंच गया। ड्राइवर दोनों युवतों को सूरत के वराछा क्षेत्र के डायमंड वर्ल्ड स्थित वसंत पटेल की ऑफीस में ले गया। जहां वसंत पटेल ने ड्राइवर से शीतल पेय मंगवाया।

शीतल पेय पीने के बाद दोनों युवतियां बेहोश हो गईं।

जामनगर की युवती को जब होश आया तो वह सोफे पर पड़ी थी और उसके कपड़ों पर दाग थ।

दुष्कर्म की आशंका के चलते युवती ने पहले अपने परिजनों से बातचीत की और बाद में वसंत पटेल और उसके ड्राइवर जयेश के खिलाफ २९ नवंबर को वराछा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

वराछा पुलिस ने इस मामले में वसंत पटेल की ऑफीस में काम करने वाले कमलेश काथरोटिया और योगेश घनश्याम साकरिया नामक हीरा व्यापारी को गिरफ्तार कर लिया। हांलाकि मामले की मुख्य आरोपी वसंत पटेल और उसका ड्राइवर अब भी फरार है।

सुरत में दिन-दहाड़े किया हत्या, घटनाक्रम सी.सी टी.वी में कैद

पुनागाम में एम्ब्रॉयडरी कारीगर ने साथी कारीगर की हत्या की।

सूरत।शहर के पुनागाम इलाके में रविवार के दिन हुई एक हत्या की घटना ।एम्ब्रॉयडरी के कारखाने में काम करनेवाले एक कारीगर ने दूसरे कारीगर पर लोहे के स्टैंड से बार बार वार करके उसकी हत्या कर दी।हत्या की इस घटना से मौके पर मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई ।पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार डिंडोली स्थित शिवाजी नगर निवासी रामकुमार मणिराम शर्मा २८ वर्ष

पुनागाम स्थित भाग्योदय इंडस्ट्रीज में एक एम्ब्रॉयडरी के कारखाने में काम करता था ।साथ मे काम करनेवाले धर्मेन्द्र प्रसाद त्रिभुवन प्रसाद और उसके बीच पिछले ३ -४ दिनों से झगड़ा चल रहा था ।इसी की रंजिश में रविवार सुबह दोनो के बीच झगड़ा हुआ उस दौरान रामकुमार अपने आपको बचाने के लिए भाग रहा था वही खुन्नस से भरा धर्मेंद्र एम्ब्रॉयडरी मशीन का एक लोहे का रॉड लेकर उसके पीछे दौड़

रहा था।दौड़ते दौड़ते रामकुमार जमीन पर गिर गया।

उस दौरान धर्मेन्द्र ने रॉड से उसपर ऊसर वार करना शुरू कर दिया।उसमे इतनी खुन्नस भरी हुई थी कि रामकुमार दम तोड़ चुका था फिर वह ऊसपर वार करता रहा।इतना ही नही सरेआम हुई इस हत्या से मौके पर मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई।जबकि समय से मौके पर पहुची पुनागाम पुलिस की एक टीम ने आरोपी धर्मेंद्र को दबोच लिया।इस घटना के सारे द्रश्य सीसी टीवी कैमरे में कैद हुए है।

जिसे देखनेवालों को रौंगटे खड़े हो गए।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह बने पन्ना प्रमुख

अहमदाबाद (क्रांति समय) नगर निगम, जिला व तहसील पंचायतों के चुनाव से पहले भाजपा ने पन्ना प्रमुखों की नियुक्ति की कवायद तेज कर दी है। गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने उच्च पदों पर बैठे पार्टी नेताओं को वार्ड में पन्ना प्रमुख बनाकर नई पहल की है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल, केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के बाद अब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पन्ना प्रमुख नियुक्तकिया है। अमित शाह के गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। अमित शाह को उनके संसदीय क्षेत्र के नारणपुरा विधानसभा निर्वाचन क्षत्रके ३८ नंबर बूथ से पन्ना प्रमुख बनाया गया ह।

भाजपा का मिशन अधिकत पन्ना प्रमुख बनाकर सभी मतदाताओं तक पहुंचना है। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची के एक पेज में ३० मतदाता होते ह। भाजपा एक पेज के ३० मतदाताओं में से एक मतदाता को पन्ना प्रमुख बनाती है। गुजरात भाजपा का लक्ष्य राज्य में १५ लाख पन्ना प्रमुख बनाने का है।

२२ करोड़ के भ्रष्टाचार में पूर्व गृहमंत्री गिरफ्तार

महेसाणा (एजेंसी) । उत्तर गुजरात में सागर डेयरी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व गृहमंत्री विपुल चौधरी को डेयरी में करोड़ों रूपए की आर्थिक गड़बड़ी और पद के दुरूपयोग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

चौधरी के मुताबिक, यह मामला महाराष्ट्र को दान में भेजे गए २२ करोड़ रु के पोषाहार से जुड़ा है। पुलिस ने कोर्ट से उनका १४ दिन का रिमांड मांगा था, लेकिन ४ दिन की रिमांड मंजूर की गई है।

दूध सागर डेयरी के पूर्व अध्यक्ष विपुल चौधरी, वर्तमान अध्यक्ष आशा ठाकोर, उपाध्यक्ष मोघजी ठाकोर, प्रबंध निदेशक और अन्य अधिकारियों ने मिलकर डेयरी के १९३२ कर्मचारियों को अतिरिक्त बोनस के रूप में करीब १५ करोड़ रूपए देकर आधी से अधिक रकम विपुल चौधरी के खाते में जमा करा ली थी। इस मामले में भगवान भाई चौधरी ने मेहसाणा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

चौधरी ने कहा- निःशुल्क पोषाहार भेजना भ्रष्टाचार नहीं

चौधरी गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के भी अध्यक्ष रह चुके हैं।

इस मामले में विपुल चौधरी का कहना है कि महाराष्ट्र को अकाल के दौरान निःशुल्क पोषाहार भेजना कोई भ्रष्टाचार नहीं है।

सहकारी ट्रिब्युनल के आदेश के अनुसार, वे अपनी जमीन गिरवी रखकर पैसा इक्ट्ठा करके अब तक ११ करोड़ २५ लाख रूपये जमा करा चुके हैं।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

सुरत महानगर पालिका स्वच्छता अभियान

खूबसूरत सुरत की यह एक तस्वीर

सूरत बना खूबसूरत इस तस्वीर से

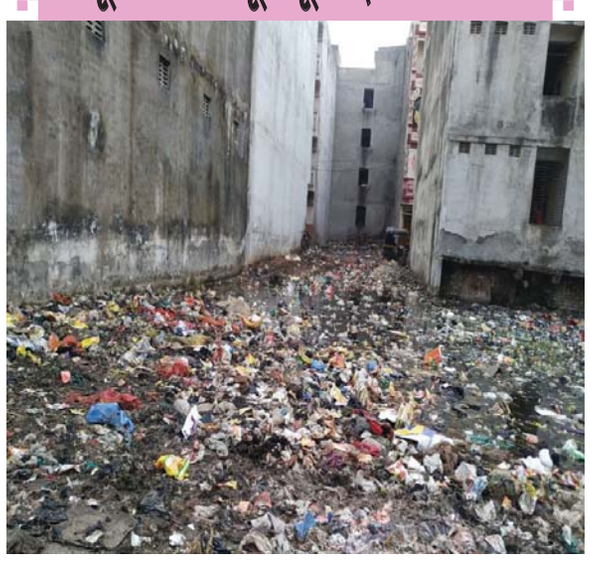

विकास की मिसाल बने सूरत ने गुजरात को किया गौरवान्वितः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि पूरे गुजरात में सूरत महानगर ने अनेक क्षेत्रों में अवॉर्ड हासिल कर गुजरात को गौरवांवित किया है। पिछले पांच वर्ष में २० हजार करोड़ रूपए के विकास कार्य कर समग्र गुजरात के लिए मिसाल कायम करने वाली सूरत महानगरपालिका के पदाधिकारियों और अधिकारियों को उन्होंने बधाई दी। शनिवार को सूरत महानगरपालिका के ४३१.३२ करोड़ रूपए और सूरत शहरी विकास प्राधिकरण (सूडा) के ८२.८३ करोड़ रूपए सहित कुल ५१४.१५ करोड़ रूपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण करते हुए उन्होंने यह बात कही। इसके साथ ही उन्होंने सूरत के उभराट इलाके में २०० करोड़ रूपए की लागत से नया ब्रिज बनाने की घोषणा की। खजोद, ड्रीम सिटी, डूमस, मगदल्ला, सुल्तानाबाद, मरोली और भीमपोर गांवों को जोड़ने वाले इस ब्रिज के निर्माण से सूरत के विकास को और भी गति मिलेगी। सूरत के संजीव कुमार ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रीम सिटी, स्मार्ट सिटी और ब्रिज सिटी का तमगा हासिल करने के साथ ही अनेक क्षेत्रों में सूरत विकास का पर्याय बना है। सूरत महानगरपालिका ने जनता की अपेक्षा और आकांक्षाओं को सच्चे अर्थों में साकार किया है। सूरत मनपा ने आम जनों के रहने और जीवन जीने लायक सिटी बनाने के लिए सीवर, पानी, सड़क, आवास और स्वास्थ्य जैसी अनेक सुख-सुविधाएं मुहैया कराई हैं। यही नहीं, मनपा ने कचरे के उचित निस्तारण, पानी का रियूज और टर्शरी वाटर जैसा प्लांट शुरूकर पर्यावरण की वास्तव में चिंता करते हुए देश को नई राह दिखाई है। रूपाणी ने कहा कि राज्य सरकार ने पारदर्शिता के साथ भ्रष्चाचार मुक्त शासन व्यवस्था स्थापित करने के लिए टेक्नोलॉजी का अधिकतम उपयोग कर ऑनलाइन गैर कृषि (एनए), भवन निर्माण की मंजूरी, नगर नियोजन (टीपी) और विकास योजना (डीपी) की त्वरित मंजूरी और ऑनलाइन प्रमाण पत्र प्रदान करने जैसे अनेक निर्णय कर विकास की रफ्तार को पंख लगाए हैं। बीते महीनों के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से गुजरात में हुए विकास कार्यों पर रोशनी डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को दिन के दौरान बिजली प्रदान करने के लिए किसान सूर्योदय योजना, स्टेच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में विभिन्न प्रकल्प, सी-प्लेन, गिरनार रोप-वे और हजीरा रो-पैक्स फेरी सर्विस शुरू कर गुजरात ने देश में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कांग्रेस के शासनकाल में होने वाले शिलान्यास के नाटकों और योजना के शुरूहोने के बाद बरसों तक अधूरी रहने का जिक्र करते हुए रूपाणी ने कहा कि यह सरकार जिन विकास कार्यों का शिलान्यास करती है, उसका निर्धारित समय में लोकार्पण भी करती है। यह अभिमान नहीं बल्कि प्रणालीगत व्यवस्था बनाने का नतीजा है। कोरोना काल में भी गुजरात सरकार ने कोरोना के खिलाफ लड़ते हुए योग्य कदम उठाते हुए कोरोना पर लगाम लगाई है। जिसके चलते रिकवरी रेट में बढ़ोतरी हुई है और मृत्यु दर में कमी आई है। इस बात पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं ने भी ध्यान देते हुए कोरोना के खिलाफ गुजरात के कदमों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि कोरोना के संकट काल में गुजरात की आय घटने के बावजूद पैसे की चिंता किए बगैर १४ हजार करोड़ रूपए की आत्मनिर्भर योजना शुरू की है। पिछले ५-६ महीने के दौरान पूरे गुजरात में २० हजार करोड़ रूपए के जनहित के कार्य शुरूकर गुजरात को रोल मॉडल के रूप में स्थापित किया है। मुख्यमंत्री ने सूरत महानगरपालिका की ओर से वराछा और रांदेर जोन में निर्मित

सुमन हाईस्कूल, पुस्तकालय और १५० ई-बसों की सुविधा तथा कामकाजी महिला हॉस्टल सहित विभिन्न प्रकल्पों का लोकार्पण किया।

इसके अलावा उन्होंने ४३१ करोड़ रूपए की लागत से शहर के विभिन्न जोन में एनआरसीपी योजना के अंतर्गत कार्यों, प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत आर्थिक रूप से कमजोर यानी ईडब्ल्यूएस श्रेणी के आवास, लिंबायत व डिंडोली क्षेत्र को जोड़ने वाला रेलवे अंडरपास तथा नगर प्राथमिक शाला, स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत ओवरहेड टंकी, आंगनवाड़ी और सामुदायिक हॉल का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने जून-२०१८ से दिसंबर-२०२० के दौरान सूरत महानगरपालिका की ओर से किए गए विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी देती 'विकास यात्रा' नामक पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर सांसद सी.आर. पाटिल ने कहा कि संवेदनशील मुख्यमंत्री ने शिक्षकों के ग्रेड-पे में बढ़ोतरी कर उनके मुद्दे का सुखद निराकरण किया है। इसके अलावा, आवास योजनाओं में दस्तावेज में महिलाओं का नाम न होने के कारण सब्सिडी नहीं मिलने के मसले पर सुधार करते हुए केवल १०० रूपए के स्टाम्प पेपर पर नाम दाखिल करने से सब्सिडी का लाभ देने जैसे जनहित के निर्णय किए हैं। सूरत के महापौर डॉ. जगदीशभाई पटेल ने कहा कि कोरोना काल में भी सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय के सूत्र को सार्थक कर सूरत महानगरपालिका ने अनेक जनकल्याणकारी विकास कार्यों की भेंट दी है।

उन्होंने सूरत मनपा द्वारा श्रमिकों को पास देने, इलेक्ट्रिक बस की शुरूआत और टर्शरी प्लांट जैसे लोकहित के विकास कार्यों का भी उल्लेख किया।

सार-समाचार

मृत माता के अंतिम दर्शन करने आ रहे बेटे-बहु सड़क दुर्घटना में घायल

मोरबी (एजेंसी) जिले के बगथला गांव में दिल का दौरा पड़ने से वृद्धा की मौत हो गई। यह घटना ऐसे समय हुई जब मृतक का बड़ा बेटा और बहु सूरत घूमने गए थ। बेटे-बहु को खबर मिलते ही दोनों सूरत से अपने गांव की ओर रवाना हो गए। लेकिन मृत माता के अंतिम दर्शन दोनों के नसीब में नहीं थ। रास्ते में सड़क दुर्घटना में दोनों को घायल होने पर अस्पताल में अस्पताल में दाखिल होना पड़ा। छोटे बेटे ने अपनी माता को मुखाग्नि दी। जानकारी के मुताबिक मोरबी जिले के बगथला गांव निवासी अभिनाबेन मेरजा का बड़ा बटा उमश मेरजा अपनी पत्नी कुसुम मेरजा के साथ सूरत घूमने गया था। इस बीच अभिनाबेन मेरजा की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। माता के मौत की खबर लगते ही उमेश मेरजा पत्नी समेत कार में अपने गांव बगथला के लिए रवाना हो गया। रास्ते में विरमगाम-धांगध्रा हाईव पर मेरजा दंपत्ति की कार दुर्घटना का शिकार हो गई। हांलाकि मेरजा दंपत्ति की जान बच गई, लेकिन दोनों गभीर रूप से घायल हो गए। कुसुम मेरजा के दोनों पैर फैक्चर हो गए। हालत गंभीर होने की वजह से दोनों का अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। दूसरी ओर बगथला में अभिनाबेन के अंतिम संस्कार के लिए उमेश मेरजा की प्रतीक्षा कर रहे भाई को दुर्घटना के बारे में पता चला तो उसने अपनी माता को मुखाग्नि दी। घायल होने की वजह से उमेश मेरजा को अपनी माता के अंतिम दर्शन भी नसीब नहीं हुए।

गुजरात में नगर निगम और जिला-तहसील पंचायत चुनाव लड़ेगी 'आप'

अहमदाबाद (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) की गुजरात में आगामी नगर निगम, जिला और तहसील पंचायत के चुनाव लड़ने की योजना है और इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। आप ने गुजरात में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की है। गोपाल इटालिया को आप का गुजरात प्रदेश अध्यक्ष नियुक्तकिया है। जबकि फिल्म अभिनेत्री नीकिता रावल को प्रदेश प्रवक्ता बनाया है। आप ने गुजरात के सभी जिला और महानगरों में प्रमुखों की नियुक्ति कर दी है। आप के गुजरात प्रभारी और विधायक गुलाबसिंह यादव ने गुजरात प्रदेश संगठन की अधिकृत घोषणा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी गुजरात में होनेवाले नगर निगम, जिला व तहसील पंचायतों के चुनाव लड़ेगी। नए पदाधिकारियों के साथ आगामी दिनों में सिलसिलेवार बैठकें कर चुनाव की रणनीति तैयार की जाएगी। यादव ने बताया कि आप के कन्वीनर और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल फरवरी में गुजरात का दौरा करेंगे।

माधोपुरा एसिड अटैक के आरोपी चोटीला से गिरफ्तार

अहमदाबाद (एजेंसी)। शहर के माधोपुरा क्षेत्र की कंचनबेन की चाली में एक परिवार पर एसिड से हमला कर फरार दो आरोपियों को सुरेन्द्रनगर के चोटीला में गिरफ्तार कर लिया गया। अहमदाबाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को चोटीला पुलिस से अपनी कस्टडी में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के मोधापुरा क्षेत्र की चाली में लक्ष्मीबेन दंताणी अपने दो पुत्र और तीन बेटियों के साथ रहती है। लक्ष्मीबेन ने छह साल पहले अपने चाचा ससुर मोहन दांताणी से उनका तीन लाख रूपए में मकान खरीद लिया था। मकान खरीद लिए जाने के बावजूद मोहन दांताणी के पुत्र अजय और विजय मकान खाली कराने को लेकर आए दिन झगड़ा किया करते। इस बीच मुंबई से लक्ष्मीबेन के बहन और बहनोई आए थे। गत दिन सुबह के वक्तसभी लोग सो रहे थे, उस वक्तअजय दंताणी लक्ष्मीबेन के घर पहुंच गया और कहा कि मकान क्यों खाली नहीं करत। इसके बाद अजय ने घर में एसिड फैंका। जिसमें ५ और ८ साल की बच्चियों का चेहरा और आंख जल गई थी। एक महिला और उसका बच्चा भी एसिड अटैक में जख्मी हो गया था। एसिड से घायल सभी लोगों को अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसिड हमले के बाद फरार अजय और विजय को पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर दबोच लिया। दोनों आरोपियों को चोटीला पुलिस ने आणंदपुर रोड से से गिरफ्तार किया है। अहमदाबाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को अपनी कस्टडी में लेकर आगे की कार्रवाई शुरूकर दी।

राज्य में काबू में आ रहा है कोरोना, २४ घंटों में ११७५ केस, ११ मरीजों की मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। दिवाली त्यौहारों के बाद रफ्तार पकड़ने वाला कोरोना संक्रमण अब धीरे धीरे काबू में आ रहा है। २४ घंटों में राज्य के कोरोना के ११७५ नए केस सामने आए हैं और १३४७ मरीज ठीक होकर अपने घर लौट गए। जबकि ११ मरीजों की कोरोना से मौत हो गइ। गुजरात में दिवाली के बाद कोरोना का कहर बढ़ गया था7 खासकर अहमदाबाद में कोरोना के सबसे अधिक केस सामने आ रहे थे। कोरोना संक्रमण बढ़ता देख अहमदाबाद समेत सूरत, वडोदरा और राजकोट में रात्रि कर्फ्यू लगा दिया गया। रात्रि कर्फ्यू के बाद कोरोना का कहर कम होने लगा है। दिवाली के बाद राज्य में कोरोना के नियमित केसों की संख्या १५०० को पार कर गई थी, जो अब धीरे धीरे कम होने लगी ह। बीते २४ घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में २३९, सूरत कॉर्पोरेशन में १४८, वडोदरा कॉर्पोरेशन में ११२, राजकोट कॉर्पोरेशन में ९९, मेहसाणा में ५१, वडोदरा में ४०, गांधीनगर में ३५, राजकोट में ३०, अमरेली में २९, जामनगर कॉर्पोरेशन में २८, कच्छ में २८, पाटन में २५, सूरत में २४, साबरकांठा में २२, आणंद में २१, बनासकांठा में २०, दाहोद में २०, पंचमहल में १९, सुरेन्द्रनगर में १९, भावनगर कॉर्पोरेशन में १७, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में १७, जामनगर में १७, खेडा में १५, भरुच में १४, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में १४ और मोरबी में १२ समेत राज्यभर में ११७५ नए केस दर्ज हुए। जबकि १३४७ लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। २४ घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में ८ और सूरत कॉर्पोरेशन में ३ समेत ११ मरीजों की कोरोना से जान चली गई। राज्य में अब तक ८६६९४७६ लोगों का टेस्ट किया गया।

जिसमें २२७६८३ कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए। इनमें से २१०२१४ कोरोना से ठीक होकर अपने घर लौट गए, जबकि ४१७१ मरीजों की मौत हो गई। राज्य में फिलहाल १३२९८ एक्टिव केसों में १३२३३ मरीज स्टेबल हैं और ६५ मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में ५३९५१४ लोगों को कोरन्टाइन किया गया है। जिसमें ५३९३७७ को होम कोरन्टाइन और १३७ लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मध्य प्रदेश में अवैध रूप से आ रही धान जब्त, उत्तर प्रदेश से की जा रही थी परिवहन

सतना। मध्य प्रदेश में सतना जिले के थाना सिंहपुर अंतर्गत ट्रक द्वारा उत्तर प्रदेश से अवैध रूप से परिवहन कर ले जा रहे धान को ट्रक सहित पुलिस ने जब?त कर लिया है। जानकारी के अनुसार ट्रक चालक राज किशोर पांडेय पुत्र जागेश्वर पांडेय उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम अतर्रा थाना अतर्रा जिला बांदा उत्तर प्रदेश से अवैध धान परिवहन करते हुए पाया गया। ट्रक क्रमांक क्ष78 ष्ह 8719 में धान की 606 बोरियों लदी हुई थी जो पुलिस ने जब?त किया है। वही पुलिस आरोपित से पूछताछ कर जांच कर रही है। पुलिस द्वारा पकड़ गये ट्रक एवं धान की कीमत लगभग 14 लाख रूपए बताई जा रही है। दरआसल उत्तर प्रदेश में सरकारी धान की खरीदी मूल्य कम है जबकि वहाँ की अपेक्षा मध्य प्रदेश में धान कीमत जायदा होने से प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों के व्यापारी मुनाफा कमाने के लिए यहाँ अपना अनाज बेंचने आते है। उत्तर प्रदेश में धान की कीमत कम होने से व्यापारियों द्वारा इस प्रकार की कालाबाजारी की जा रही है। जबकि प्रदेश की शिवराज सरकार ने ऐसी कालाबाजारी के खिलाफ अभियान छेड़ने की बात कही है। तो वही इस प्रकार की कालाबाजारी पर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा सतत निगाह रखी जा रही है।

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा कोरोना पॉजिटिव, घर पर हुए आइसोलेट

नयी दिल्ली। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा कोरोना पॉजिटिव पाए गए है। इसकी जानकारी उन्होंने ट्वीट करके दी है। उन्होंने कहा कि 'कोरोना के शुरूआती लक्षण दिखने पर मैंने टेस्ट करवाया और रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मेरी तबीयत ठीक है, डॉक्टर्स की सलाह पर होम आइसोलेशन में सभी दिशा- निर्देशो का पालन कर रहा हूँ। मेरा अनुरोध है, जो भी लोग गत कुछ दिनों में संपर्क में आये हैं, कृपया स्वयं को आइसोलेट कर अपनी जाँच करवाएं'।

किसानों के समर्थन में केजरीवाल की आम आदमी पार्टी पार्टी रखेगी एक दिन का उपवास

नई दिल्ली। किसानों के समर्थन के बीच अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया है कि 14 दिसंबर को आम आदमी पार्टी उपवास में रहेंगी। बता दें कि किसानों ने घोषणा की कि उनकी यूनियनों के प्रतिनिधि 14 दिसंबर को देशव्यापी प्रदर्शन के दौरान भूख हड़ताल पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि रविवार को हजारों किसान राजस्थान के शाहजहांपुर से जयपुर-दिल्ली राजमार्ग के रास्ते सुबह 11 बजे अपने ट्रैक्टरों से 'दिल्ली चलो' मार्च शुरू करेंगे। इसी को देखते हुए दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि किसानों ने कल एक दिन के उपवास का ऐलान किया है। उन्होंने अपील की है देश की जनता से कि किसानों के समर्थन में सब लोग एक दिन का उपवास रखें। मैं भी कल उनके साथ एक दिन का उपवास रखूंगा।

नए संसद भवन के निर्माण को लेकर कमल हसन ने पीएम मोदी से किया सवाल

चेन्नई। एमएनएम प्रमुख कमल हासन ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नए संसद भवन के निर्माण पर करीब 1,000 करोड़ रुपये खर्च करने का औचित्य पूछते हुए कहा कि ''जब भारत का आधा हिस्सा कोरोना वायरस महामारी के कारण भूखा है, आजीविका का नुकसान हो रहा है तो इसकी क्या जरुरत है।' नए संसद भवन के प्रस्तावित निर्माण की तुलना चीन की सदियों पुरानी ग्रेट वॉल ऑफ चाइना से करते हुए उन्होंने दावा किया कि इसके निर्माण के दौरान हजारों लोग मारे गए थे लेकिन चीन के शासकों ने कहा था कि दीवार लोगों को 'सुरक्षित' करने के लिए है। मक्कल नीधी मैयम के नेता ने ट्वीट कर पूछा, '1,000 करोड़ रुपये की लागत से एक नया संसद भवन किसकी रक्षा के लिए बनाया जा रहा है, जब आधा भारत कोरोना वायरस महामारी के कारण भूखा है और आजीविका का नुकसान शुरू हो रहा है।5 उन्होंने दक्षिणी तमिलनाडु के मदुरै से विधानसभा चुनाव के लिए अपने अभियान के पहले चरण की शुरुआत करने से कुछ घंटे पहले कहा, 'जवाब दीजिए माननीय निर्वाचित प्रधानमंत्री।' तमिलनाडु में अप्रैल-मई 2021 के दौरान विधानसभा चुनाव होने हैं।

पंजाब और हरियाणा की सैकड़ों महिलाएं कुछ इस तरह दे रही किसान आंदोलन में समर्थन!

नयी दिल्ली। खेत और परिवार की जिम्मेदारियों से घिरी पंजाब और हरियाणा की सैकड़ों महिलाएं अब किसानों के आंदोलन में शामिल होकर अपनी व्यस्त जिंदगी के एक अलग ही पहलु से रुबरु हो रही हैं। दोनों राज्यों से आईं ये महिलाएं दिल्ली के विभिन्न प्रवेश मार्गों पर किसानों के साथ कृषि कानूनों का विरोध कर रही हैं। केंद्र द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों का विरोध करने के लिए जब उनके पति, बेटा और भाई घर से निकले तो वे भी उनके साथ हो लीं और गांव से राष्ट्रीय राजधानी की तरीफ कूच कर दिया। लुधियाना की रहने वाली 53 वर्षीय मनदीप कौर ने कहा, ''खेती के पेशे की पहचान लिंग से नहीं की जा सकती है। हमारे खेतों में मर्द और औरत के आधार पर फसल पैदा नहीं होती। कई पुरुष किसान यहां प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में हमें घरों में क्यों बैठना चाहिए।''

चीन के साथ तनाव के बीच बड़ा फैसला, 15 दिनों की लड़ाई के लिए हथियार व गोला-बारूद रख सकेंगे सुरक्षाबल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

चीन के साथ तनाव के बीच भारत ने बड़ा कदम उठाया है। सुरक्षाबलों को अब 15 दिनों के युद्ध के लिए हथियारों और गोला-बारूद का स्टॉक तैयार करने का अधिकार दे दिया गया है। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ जारी तनातनी के बीच इस नए अधिकार और आपातकालीन खरीद की शक्तियों का उपयोग करते हुए स्थानीय और विदेशी स्रोतों से रक्षा उपकरण और गोला-बारूद के अधिग्रहण के लिए 50,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किया जाएगा। यह कदम चीन व पाकिस्तान के साथ टू-फ्रंट वॉर की संभावनाओं को देखते हुए पुख्ता तैयारी की दिशा में देखा जा रहा है। अब तक सेना के पास 10 दिन के युद्ध के लिए स्टॉक जमा करने की छूट थी।

समाचार एजेंसी एएनआइ से सरकारी सूत्रों ने बताया कि दुश्मनों के साथ 15 दिन के युद्ध के लिए स्टॉक तैयार करने के लिए अब कई हथियार प्रणाली और गोला-बारूद का अधिग्रहण किया जा रहा है। 10 दिन के बजाय अब 15 दिनों तक के लिए स्टॉकिंग होगी। उन्होंने कहा कि रक्षा बलों के लिए स्टॉक की सीमा बढ़ाने की मंजूरी कुछ समय पहले ही दी गई थी।

सशस्त्र बलों को पहले 40-दिन के युद्ध के लिए स्टॉक रखने की अनुमति थी, लेकिन हथियारों और गोला-बारूद के भंडारण में आने वाली दिक्कतों के साथ-साथ युद्ध के बदलते स्वरूप के कारण इसे कम करके 10 दिन कर दिया गया। उरी हमले के बाद, यह महसूस किया गया कि युद्ध के लिए स?टॉक कम है और तत्कालीन मनोहर परीकर के नेतृत्व वाले रक्षा मंत्रालय ने सेना, नौसेना और वायु सेना के उपाध्यक्षों की वित्तीय शक्तियों को बढ़ाकर 100 करोड़ रुपये से 500 करोड़ कर दिया।

तीनों सेनाओं को किसी भी उपकरण को खरीदने के लिए 300 करोड़ रुपये की खरीद के लिए आपातकालीन वित्तीय अधिकार भी दिए गए। इसके माध्यम से वे युद्ध लड़ने में काम आने वाला कोई भी उपकरण खरीद सकते हैं। रक्षा बल कई हथियारों, मिसाइलों और प्रणालियों की खरीद कर रहे हैं, ताकि दोनों विपरीत परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्रवाई की जा सके।

भारत न केवल पेरिस समझौते के अपने लक्ष्यों को हासिल करने बल्कि उन्हें पार करने की राह में है: मोदी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जलवायु महत्वाकांक्षी शिखर सम्मेलन 2020 के दौरान कहा कि भारत न केवल पेरिस समझौते के अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में है बल्कि वह अपेक्षाओं से अधिक उन्हें पार करने की राह में है। उन्होंने रेखांकित किया कि देश ने 2005 के स्तर पर अपनी उत्सर्जन तीव्रता को 21 प्रतिशत तक कम कर दिया है। शिखर सम्मेलन में दिए गए अपने डिजिटल संदेश में मोदी ने कहा कि पेरिस समझौते की पांचवीं वर्षगांठ पर आयोजित सम्मेलन जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में सबसे महत्वाकांक्षी कदम है।

उन्होंने कहा, ''आज, जैसा कि हम अपनी निगाहें और ऊपर करना चाह रहे हैं, हमें अतीत की ओर से भी दृष्टि को ओझल नहीं करना चाहिए। हमें न केवल अपनी महत्वाकांक्षाओं को संशोधित करना चाहिए, बल्कि पहले से ही निर्धारित लक्ष्यों के संबंध में अपनी उपलब्धियों की भी समीक्षा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, तभी हमारी आवाजें भविष्य की पीढ़ियों के लिए विश्वसनीय हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि 2047 में, भारत एक आधुनिक, स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अपने 100 साल मनाएगा।

मोदी ने कहा, इस ग्रह पर के मेरे सभी निवासियों के लिए, मैं आज एक संकल्प लेता हूं। सौ साल का भारत न केवल अपने लक्ष्यों को पूरा करेगा, बल्कि आपकी अपेक्षाओं से भी आगे बढ़ेगा।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत न केवल अपने पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में है बल्कि उम्मीद से भी आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा, हमने 2005 के स्तरों पर अपनी उत्सर्जन तीव्रता को 21 फीसदी तक कम कर लिया है।

असम में बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद के गठन के लिए भाजपा, यूपीपीएल और जीएसपी ने हाथ मिलाया

गुवाहाटी। (एजेंसी)।

असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि अगले बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद (बीटीसी) का संयुक्त रूप से गठन करने के लिए भाजपा ने रविवार को यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) और गण सुरक्षा पार्टी (जीएसपी) के साथ हाथ मिलाने का फैसला किया है, क्योंकि हाल ही में संपन्न हुए बीटीसी चुनाव का परिणाम त्रिशंकु रहा। किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला है। सोनोवाल ने तीनों दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि 40 सदस्यीय नई परिषद की अध्यक्षता यूपीपीएल के प्रमुख प्रमोद बोडो करेंगे।

नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (नेडा) के संयोजक और मंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रंजीत दास, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और मंगलदोई के सांसद दिलीप सैकिया, यूपीपीएल के प्रमुख प्रमोद बोडो और जीएसपी प्रमुख और कोकराझार के सांसद नबा कुमार सरानिया के बीच कल रात से विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया। राज्य सरकार में भाजपा की गठबंधन सहयोगी बोडो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) 17 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है, वहीं यूपीपीएल ने 12, भाजपा ने नौ जबकि जीएसपी और कांग्रेस ने एक-एक सीट हासिल की है। बीपीएफ प्रमुख हाग्रामा मोहिलरी ने दिन में पहले भाजपा से परिषद का गठन करने के लिए अपना समर्थन देने की अपील की थी क्योंकि दोनों पार्टियां राज्य और केंद्र में गठबंधन में हैं।

बीपीएफ पिछले तीन कार्यकाल से परिषद का नेतृत्व कर रहा था। मोहिलरी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) के रूप में नियुक्त थे। परिषद का चुनाव नई दिल्ली में 27 जनवरी को नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एनडीएफबी) के सभी चार धड़ों के नेताओं द्वारा नए बोडो समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद हुआ। बीटीसी का चुनाव चार जिलों- कोकराझार, चिरांग, बक्सा और उदलगुरी में हुआ, जो बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के अंतर्गत आता है।

देश में पांच साल से छोटे बच्चों का वजन तेजी से बढ़ा, जानें किस राज्य के बच्चे तेजी से हो रहे मोटे

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

देश में बच्चों की सेहत को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। 22 राज्यों में किए गए नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (एनएफएचएस-5) के मुताबिक, 20 राज्यों में पांच साल से कम उम्र के बच्चों में मोटापा तेजी से बढ़ा है। 2015-16 में किए गए एनएफएचएस-4 की तुलना में एनएफएचएस-5 में स्थिति ज्यादा तेजी से बिगड़ी है। महाराष्ट्र, गुजरात, मिजोरम, त्रिपुरा, लक्षद्वीप, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मोटापे की समस्या विकराल होती दिख रही है। इस दौरान केवल गोवा, दादर एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव में मोटापे के शिकार पांच साल से कम उम्र के बच्चों की संख्या कम हुई है।

22 राज्यों में कराए गए सर्वेक्षण में सामने आए चिंताजनक आंकड़े : लद्दाख में सबसे ज्यादा करीब 13.4 फीसद बच्चे मोटापे का शिकार पाए गए। लक्षद्वीप में 10.5 फीसद, मिजोरम में 10 फीसद तथा जम्मू-कश्मीर और सिक्किम में 9.6 फीसद बच्चों में मोटापा देखा गया।मोटापे के मामले में वयस्कों की हालत भी बहुत बेहतर नहीं है। 16 राज्यों में महिलाओं में और 19 राज्यों में पुरुषों में मोटापा बढ़ा है। अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में सर्वाधिक 38 फीसद महिलाएं मोटापे का शिकार पाई गई। महिलाओं एवं पुरुषों में मोटापे का आकलन उनके बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआइ) के आधार पर और बच्चों में लंबाई और वजन के अनुपात के आधार पर किया गया।

भारी पड़ रही हैं आदतें : हेल्थकेयर विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों और बड़ों सभी में गलत खानपान और शारीरिक गतिविधियां कम होना मोटापे का कारण है। पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन एंड डेवलपमेंट सेंटर की फाउंडर डायरेक्टर शीला वीर ने कहा कि लोगों में खानपान की अच्छी आदतों के बारे में जानकारी बहुत कम है। हाई फैट और हाई शुगर वाले खाद्य पदार्थों की आसान उपलब्धता भी मोटापे का कारण बन रही है। कोरोना महामारी के कारण लोगों ने घर से निकलना कम किया है। बच्चों के स्कूल भी बंद हैं। इन कारणों से भी शारीरिक गतिविधियां कम हुई हैं, जिससे मोटापे का खतरा बढ़ा है।

किसानों के प्रदर्शन के बीच अमित शाह से मिले कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और सोम प्रकाश ने गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। जानकारी के मुताबिक नए कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलन कर रहे किसानों द्वारा जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-आठ को बंद करने की योजना के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी की हरियाणा से लगती सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है। यह राजमार्ग गुरुग्राम से होकर गुजरता है। शहर की पुलिस ने शनिवार को अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती करके और ज्यादा संख्या में कंक्रीट के अवरोधकों लगाकर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यात्रियों को असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। सिंघू और टिकरी बॉर्डर समेत राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न बॉर्डर पर पिछले 17 दिनों से हजारों प्रदर्शनकारी जमा हैं और इस बीच किसान संगठनों ने जयपुर-दिल्ली राजमार्ग बंद करने की घोषणा की है। किसान केंद्र सरकार से कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

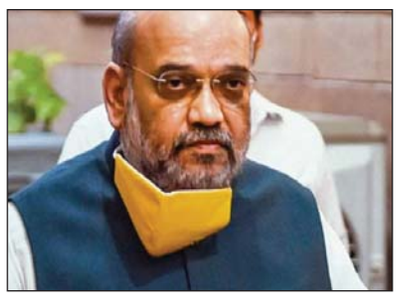

किसान नेताओं ने शनिवार को अपनी मांगों पर कायम रहते हुए कहा कि वे सरकार से वार्ता को तैयार हैं लेकिन पहले तीन नये कृषि कानूनों को निरस्त करने पर बातचीत होगी। किसानों ने घोषणा की कि उनकी यूनियनों के प्रतिनिधि 14 दिसंबर को देशव्यापी प्रदर्शन के दौरान भूख हड़ताल पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि रविवार को हजारों किसान राजस्थान के शाहजहांपुर से जयपुर-दिल्ली राजमार्ग के रास्ते सुबह 11 बजे अपने ट्रैक्टरों से 'दिल्ली चलो' मार्च शुरू करेंगे। दिल्ली यातायात पुलिस ने महत्वपूर्ण सीमाओं पर अपने कर्मियों को तैनात किया है ताकि आने-जाने वाले लोगों को कोई परेशानी नहीं हो।

पाकिस्तान से लौटी गीता खोज रही बिछड़ा परिवार, महाराष्ट्र और तेलंगाना में जारी तलाश

इंदौर। (एजेंसी)।

गीता बोल और सुन नहीं सकती। लेकिन तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के विशेष प्रयासों के कारण 2015 में पाकिस्तान से भारतीय मातृभूमि पर लौटने के बाद उसकी आंखें अपने परिवार को लगातार तलाश रही हैं जो उससे लगभग 20 साल पहले बिछड़ गया था। बहुचर्चित घटनाक्रम में स्वदेश वापसी के पांच साल गुजर जाने के बाद भी मूक-बधिर युवती ने हालांकि उम्मीद नहीं छोड़ी है। अब वह महाराष्ट्र और इससे सटे तेलंगाना में अपने बिछड़े परिवार को खोजने निकल पड़ी है।

अधिकारियों ने बताया कि दिव्यांगों की मदद के लिये इंदौर में चलाई जा रही आनंद सर्विस सोसायटी गीता की देख-रेख कर रही है। मध्यप्रदेश के सामाजिक न्याय एवं निःशक्त जन कल्याण विभाग द्वारा इस गैर सरकारी संगठन को मूक-बधिर युवती के बिछड़े परिवार की खोज का जिम्मा भी सौंपा गया है। संगठन के सांकेतिक विशेषज्ञ ज्ञानेंद्र पुरोहित गीता के परिवार की खोज के लिए रविवार से शुरू हुई यात्रा में इस मूक-बधिर युवती के साथ हैं। उन्होंने पीटीआई- को बताया, फिलहाल हम महाराष्ट्र के मराठवाड़ा अंचल में हैं। अगले सात दिनों तक हम मराठवाड़ा और तेलंगाना के सीमावर्ती इलाकों में गीता के बिछड़े परिवार को ढूंढ़ने की कोशिश करेंगे। पुरोहित ने बताया कि इशारों की जुबान में गीता से कई दौर की बातचीत के दौरान संकेत मिले हैं कि उसका मूल निवास स्थान मराठवाड़ा और तेलंगाना के सीमावर्ती इलाकों में हो सकता है जहां वह लगभग दो दशक पहले अपने परिवार से बिछड़ कर रेल से पाकिस्तान पहुंच गई थी।

महाराष्ट्र पुलिस भी गीता के परिवार की खोज में उसकी मदद कर रही है। औरंगाबाद पुलिस की महिला शाखा में तैनात वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक किरण पाटिल ने फोन पर बताया, हम औरंगाबाद और इसके आस-पास के इलाकों में गुजरे 20 साल के दौरान लापता मूक-बधिर बच्चों का रिकॉर्ड खंगाल रहे हैं। हो सकता है कि हमें गीता के बिछड़े परिवार के बारे में कोई अहम सुराग मिल जाए। अधिकारियों ने बताया कि गीता की नाक दांई ओर छिदी है और मूक-बधिर युवती के मुताबिक उसके पैतृक गांव में गन्ना, चावल और मूंगफली की खेती होती है। वह तेलुगु फिल्मों के मशहूर नायक महेश बाबू की जबर्दस्त प्रशंसक है और इशारों की जुबान में उसका कहना है कि उसके घर में इडली-डोसा जैसे दक्षिण भारतीय व्यंजन पकते थे। बचपन की धुंधली यादों के आधार पर उसका यह भी कहना है कि उसके गांव के पास एक रेलवे स्टेशन था और गांव में नदी के तट के पास देवी का मंदिर था। अधिकारियों ने बताया कि गुजरे पांच साल में देश के अलग-अलग इलाकों के करीब 20 परिवार गीता को अपनी लापता बेटी बता चुके हैं। लेकिन सरकार की जांच में इनमें से किसी भी परिवार का मूक-बधिर युवती पर दावा साबित नहीं हो सका है। उन्होंने बताया कि फिलहाल गीता की उम्र 30 साल के आस-पास आंकी जाती है। वह बचपन में गलती से रेल में सवार होकर सीमा लांघने के कारण करीब 20 साल पहले पाकिस्तान पहुंच गयी थी। पाकिस्तानी रेंजर्स ने गीता को लाहौर रेलवे स्टेशन पर समझौता एक्सप्रेस में अकेले बैठा हुआ पाया था। उस समय उसकी उम्र आठ साल के आस-पास रही होगी। मूक-बधिर लड़की को पाकिस्तान की सामाजिक संस्था ईधी फाउंडेशन की बिलकिस ईधी ने गोद लिया और अपने साथ कराची में रखा था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)